धनबाद, शुक्रवार
15 मई 2026
वर्ष : 03 अंक : 224
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार
ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

झामुमो प्रवक्ता के विवाह समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रांची, (एजेंसी) :मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन गुरुवार को रांची के बोडेया स्थित ब्लेसिंग बैंक्वेट एंड रिसॉर्ट पहुंचे, जहां उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)के प्रवक्ता धीरज दुबे और पोटका की अंचल अधिकारी (सीओ) निकिता बाला के विवाह बाद आयोजित आशीर्वाद समारोह में शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नवविवाहित दंपति को शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय दाम्पत्य जीवन की कामना की।

राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति, सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ से मांगी रिपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी) : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर आय से अधिक संपत्ति मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ सहित अन्य केंद्रीय एजेंसियों से जवाब तलब किया है। बीजेपी नेता एस विग्नेश शिशिर ने याचिका दाखिल कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान सभी पक्षकारों को जवाब दाखिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई 20 जुलाई को तय की है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी ज्ञात आय के स्त्रोतों से अधिक संपत्ति जमा की है। उन्होंने कोर्ट से इन आरोपों की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है। इसके बाद हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई कर सीबीआई, ईडी और एसएफआईओ को नोटिस जारी कर मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कह दिया है। इस मामले में केंद्र सरकार की भूमिका को भी इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण माना है। अधिकारियों के मुताबिक, कोर्ट अब एजेंसियों के जवाब के बाद आगे की कार्यवाही तय करेगा। इस मामले पर राजनीतिक गलियारों में भी काफी चर्चा हो रही है।

उधर, दिल्ली में बीजेपी प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेसवार्ता कर राहुल गांधी की विदेश यात्रा और उसकी फंडिंग को लेकर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की बीते 11 वर्षों की कमाई 11 करोड़ है, जबकि उन्होंने विदेश यात्रा पर 64 करोड़ रुपए खर्च किए।

सेक्स रैकेट के संदेह पर पुलिस ने की छापेमारी, पकड़े गए छह महिला और छह पुरुष

रामगढ़, (एजेंसी) :रामगढ़ थाना क्षेत्र के सिरका अरगड्डा बुध बाजार में सेक्स रैकेट चल रहा था। इस सूचना पर गुरुवार की रात रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने खुद छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान बुध बाजार से छह महिला और छह पुरुष को पकड़ा गया है। सभी को रामगढ़ थाने में लाया गया है।

थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि सेक्स रैकेट के संचालन की सूचना मिली थी। बुध बाजार में कई महिला, लड़की और दूसरे जिले के लड़के भी वहां आए हुए थे। छापेमारी के दौरान कुछ लोग भागने में सफल रहे और कुछ लोगों को पकड़ा गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। कुछ लड़के रांची जिले के रहने वाले हैं और कुछ कलुआ पथरा गांव के हैं। सभी से पूछताछ की जा रही है।

जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हट गए, वे राशन और पेंशन के पात्र नहीं

एसआईआर बंगाल-बिहार में सरकारी योजनाओं के लिए फिल्टर के रूप में उभरी

नई दिल्ली,(एजेंसी) : चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पहल, जो मूल रूप से वोटर लिस्ट को शुद्ध करने के लिए शुरू की गई थी, अब पश्चिम बंगाल और बिहार में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लिए एक बड़े फिल्टर के रूप में उभर रही है। दोनों राज्यों की सरकारों ने साफ कर दिया है कि जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, वे अब राशन और पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के पात्र नहीं रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल में सीएम सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी की पहली सरकार बनने के कुछ ही दिनों बाद, प्रशासन ने संकेत दिया कि जिन लोगों के नाम एसआईआर प्रक्रिया के दौरान हटा दिए गए थे, वे कई सरकारी वेलफेयर स्कीम के लिए पात्र नहीं होंगे। बिहार में भी इसी तरह के कदम उठाए जा रहे हैं, जहां एनडीए सरकार ने एसआईआर में नाम हटने के बाद राशन लिस्ट से लाभार्थियों को हटाना शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जिन लोगों के नाम राज्य की वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, उन्हें सरकारी लाभ जिसमें राशन और वेलफेयर स्कीम शामिल हैं नहीं मिलेंगे।कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने बंगाल और बिहार द्वारा उठाए गए इन कदमों को बेहद आपत्तिजनक बताया है। उन्होंने कहा कि क्या नागरिकता चुनावी सूची में शामिल होने का आधार है, या चुनावी सूची में शामिल होना नागरिकता का आधार है? सुप्रीम कोर्ट को इस सवाल पर विचार करना चाहिए। कोलकाता के एक अखबार ने पश्चिम बंगाल की महिला एवं बाल कल्याण और समाज कल्याण मंत्री अग्निमित्रा पॉल के हवाले से कहा कि हम 1 जून से महिलाओं के लिए अन्नपूर्णा भंडार योजना शुरू करेंगे। महिलाओं को हर महीने 3,000 रुपए मिलेंगे, लेकिन जिन लोगों का सत्यापन अभी भी ट्रिब्यूनल द्वारा किया जा रहा है, उन्हें फिलहाल लाभार्थियों की सूची में शामिल नहीं किया जाएगा।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अगर उनमें से कोई बाद में फिर से चुनावी सूची में शामिल हो जाता है, तो उसे लाभार्थियों की सूची में शामिल कर लिया जाएगा। पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी ने कहा था कि कोई भी मौजूदा कल्याणकारी योजना बंद नहीं की जाएगी। अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि सरकार के सभी सामाजिक कार्यक्रम चाहे वे 30 साल पहले शुरू हुए हों या 10 साल पहले जारी रहेंगे। अब ये सभी योजनाएं एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत काम करेंगी। किसी भी मृत व्यक्ति, अवैध घुसपैठिए या गैर-भारतीय नागरिक को राज्य के नागरिकों के लिए निर्धारित लाभ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

16 राज्यों में 37 करोड़ मतदाताओं की होगी एसआईआर

हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में फिलहाल एसआईआर प्रक्रिया नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारत निर्वाचन आयोग ने 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तीसरे चरण को लागू करने का आदेश जारी किया है। यह अभियान मतदाता सूची को अद्यतन और शुद्ध करने के उद्देश्य से चलाया जाएगा। आयोग के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान लगभग 3.94 लाख बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर करीब 36.73 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 3.42 लाख बूथ स्तरीय एजेंट भी इस अभियान में सहयोग करेंगे।

चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, गोवा, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप में पहले ही एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जबकि असम में विशेष पुनरीक्षण कराया गया था। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में फिलहाल एसआईआर प्रक्रिया नहीं होगी। वहां मौसम और जनगणना कार्य पूरा होने के बाद नई तारीखों की घोषणा बाद मे की जाएगी।

आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से अपील की है, वह प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने प्रतिनिधि नियुक्त करें, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग के 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर आदेश को लेकर विपक्षी दलों में हड़कंप मच गया है। एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अभी तक जो सुनवाई हुई है। उसमें कोई निष्कर्ष नहीं निकला है। इसी बीच 6 राज्यों के चुनाव भी हो गए हैं। चुनाव आयोग के इस आदेश से विपक्षी दल एसआईआर की प्रक्रिया संवैधानिक है, या असवैधानिक। इसको लेकर अब आरपार की लड़ाई लड़ने की बात कर रहे हैं।

केरल को मिला नया नेतृत्व, वीडी सतीशन होंगे राज्य के अगले मुख्यमंत्री

कांग्रेस हाईकमान ने लंबे विचार-विमर्श के बाद लिया फैसला

यूडीएफ की जीत के प्रमुख रणनीतिकार रहे सतीशन

नई दिल्ली(एजेंसी) : केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया। कांग्रेस ने गुरुवार को वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री घोषित कर दिया। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं मुकुल वासनिक, दीपा दास मुंशी और अजय माकन ने इस फैसले की औपचारिक घोषणा की।

मुख्यमंत्री पद की दौड़ में वीडी सतीशन और कांग्रेस संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा था। करीब 10 दिनों तक चली चर्चा और सहयोगी दलों से विचार-विमर्श के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने सतीशन के नाम पर मुहर लगाई। बताया जा रहा है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) सहित यूडीएफ के कई सहयोगी दलों ने भी सतीशन के पक्ष में खुलकर समर्थन दिया।

वीडी सतीशन को 2026 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की वापसी का मुख्य चेहरा माना जा रहा है। उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन के खिलाफ आक्रामक रणनीति अपनाई। पिछले पांच वर्षों में विपक्ष के नेता के रूप में सतीशन ने विभिन्न जन मुद्दों को लेकर सड़क से लेकर विधानसभा तक सरकार को घेरने में अहम भूमिका निभाई।

कोच्चि के पास एनार्कुलम जिले के नेट्टूर में 31 मई 1964 को जन्मे वीडी सतीशन का परिवार लंबे समय से कांग्रेस विचारधारा से जुड़ा रहा है। उन्होंने कानून की पढ़ाई करने के बाद छात्र राजनीति से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की। केरल स्टूडेंट्स यूनियन (केएसयू) और बाद में एनएसयूआई में सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होंने संगठन में मजबूत पहचान बनाई।सतीशन पहली बार वर्ष 2001 में परूर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे। इसके बाद उन्होंने लगातार छह बार जीत दर्ज कर अपनी मजबूत जनाधार वाली छवि कायम रखी।

भविष्य की चुनौतियों को साधने की तैयारी, सेना और नौसेना के बीच अहम समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतीय सेना और नौसेना ने देश की सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। गुरुवार को नई दिल्ली में हुए संबद्धता समझौता ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन ऑन अफिलिएशन) का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच गहरे तालमेल, आपसी समझ और संयुक्त कार्यप्रणाली को बढ़ावा देना है, विशेषकर भविष्य के जटिल युद्ध स्वरूपों और सुरक्षा चुनौतियों के मद्देनजर। यह कदम भारतीय सशस्त्र बलों में संयुक्तता, एकीकरण और बेहतर तालमेल स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

समझौते के तहत, सेना और नौसेना की विभिन्न संरचनाओं, रेजीमेंटों, संस्थानों और युद्धपोतों के बीच संस्थागत सहयोग को औपचारिक रूप दिया जाएगा। इसके माध्यम से दोनों सेवाओं के अधिकारियों व जवानों को एक-दूसरे की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण व्यवस्था और जिम्मेदारियों को करीब से समझने का अवसर मिलेगा। संयुक्त गतिविधियों, पेशेवर आदान-प्रदान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे परिचालन समन्वय और दीर्घकालिक पेशेवर संबंध मजबूत होगा। ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न जैसी सफलताओं ने पहले ही यह साबित कर दिया है कि भविष्य के अभियानों में तीनों सेनाओं का समन्वित संचालन कितना महत्वपूर्ण है, और यह समझौता उसी दिशा में एक ठोस कदम है।

इस अहम समझौता ज्ञापन पर भारतीय सेना की ओर से एडजुटेंट जनरल लेफ्टिनेंट जनरल वीपीएस कौशिक और भारतीय नौसेना की ओर से चीफ ऑफ पर्सोनल वाइस एडमिरल गुरचरण सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ और नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्सायन भी उपस्थित थे। मौजूदा सुरक्षा वातावरण की जटिलता और निरंतर बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य को देखकर थल और जल दोनों क्षेत्रों में मजबूत समन्वय अब राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपरिहार्य हो गया है। जहां नौसेना समुद्री हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है, वहीं सेना देश की स्थलीय सीमाओं की रक्षा का प्राथमिक दायित्व निभाती है। यह समझौता ज्ञापन भविष्य में ऐसी और अंतर-सेवा संबद्धताओं का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बल आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए और अधिक एकीकृत तथा सक्षम बन सकें।

ऊर्जा आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकता हैं ब्रिक्स

विदेश मंत्री जयशंकर ने ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया

नई दिल्ली,(एजेंसी) : भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित कर महत्वपूर्ण बयान दिया, जिसमें उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के प्रति भारत का दृष्टिकोण को दुनिया के सामने साझा किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि मौजूदा अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों में, जब अनेक देश ऊर्जा आपूर्ति, खाद्य सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे गंभीर संकटों से जूझ रहे हैं, ब्रिक्स उन राष्ट्रों के लिए एक मजबूत संबल और मददगार मंच साबित हो सकता है। यह दशार्ता है कि भारत ब्रिक्स को केवल एक आर्थिक समूह नहीं, बल्कि एक समाधान-उन्मुख वैश्विक हितधारक के रूप में देखता है।

अपने संबोधन में, जयशंकर ने ब्रिक्स के भीतर बढ़ते सहयोग की सराहना की। उन्होंने बताया कि सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ अभी तक 80 से अधिक ब्रिक्स बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिन्होंने आपसी संबंधों को और गहरा किया है तथा विभिन्न क्षेत्रों में साझा प्रगति का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने रेखांकित किया कि ब्रिक्स अध्यक्ष के रूप में भारत लगातार साझेदार देशों के साथ संवाद कर समावेशी और सहयोगी ढांचे को बढ़ावा दे रहा है। विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट किया कि समूह की सुचारू और प्रभावी प्रगति के लिए आवश्यक है कि नए और भविष्य में शामिल होने वाले सदस्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर ब्रिक्स की स्थापित आम सहमति का समर्थन करें, ताकि एकजुटता बनी रहे।

केंद्रीय मंत्री जयशंकर ने स्वीकार किया कि यह बैठक अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भारी उथल-पुथल के एक अभूतपूर्व दौर में हो रही है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी निरंतर संघर्ष, गंभीर आर्थिक अनिश्चितता, तथा टेक्नोलॉजी और व्यापार के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा व नई चुनौतियां। इन जटिलताओं के बीच, विशेष रूप से उभरते बाजारों के बीच यह उम्मीद बढ़ रही है कि ब्रिक्स वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक स्थिरता लाने वाली, विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभर सकता है।

उन्होंने विश्वास जाहिर किया कि सदस्य देशों के बीच होने वाली गहन चचाएं इन वैश्विक और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विचार करने तथा साझा समाधान खोजने का एक महत्वपूर्ण मौका प्रदान करती हैं। जयशंकर का यह बयान वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका और ब्रिक्स के माध्यम से ग्लोबल साउथ की आवाज को बुलंद करने की भारत की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। ऊर्जा, भोजन और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों पर ध्यान केंद्रित कर, बिक्स स्वयं को एक अधिक प्रभावी, प्रासंगिक और संकटमोचक अंतरराष्ट्रीय संगठन के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

झपकी बनी काल: बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सिलेंडर लदे डीसीएम में घुसी स्कॉर्पियो, मां-बेटे समेत चार की मौत

बांदा, 14 मई (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो चालक को आई एक झपकी पूरे परिवार के लिए मौत बन गई। सिलेंडर लदे डीसीएम ट्रक में पीछे से घुसी स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक किशोरी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और एक्सप्रेसवे पर लंबा जाम लग गया।

आजमगढ़ जिले के जीयनपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ निवासी अजीत कुमार विश्वकर्मा अपने परिवार के साथ महोबा जिले के कबरई कस्बे में रहकर क्रेशर पाट्र्स और डंपर बनाने का काम करता था। वह बुधवार रात अपनी मां प्रेमशिला, चाची निशा, दादी चंद्रावती और चचेरी बहन रिया के साथ पैतृक गांव से स्कॉर्पियो द्वारा वापस कबरई लौट रहा था।

गुरुवार सुबह करीब साढ़े सात बजे देहात कोतवाली क्षेत्र के जारी गांव के पास बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के चैनेज नंबर 47.8 पर अचानक चालक अजीत को झपकी आ गई। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर आगे चल रहे खाली सिलेंडर लदे डीसीएम ट्रक में पीछे से जा घुसी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार सभी लोग अंदर फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंच गई। कटर मशीन और क्रेन की मदद से स्कॉर्पियो को काटकर घायलों को बाहर निकाला गया। सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने अजीत कुमार, उसकी मां प्रेमशिला, चाची निशा और दादी चंद्रावती को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल किशोरी रिया को प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर रेफर कर दिया गया।घटना की जानकारी मिलते ही डीएम और एसपी समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने बताया कि शवों का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच की जा रही है।

झारखंड में 20 जून से शुरू होगा एसआईआर, सात अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची का होगा प्रकाशन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : निर्वाचन आयोग ने देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तीसरे चरण की घोषणा कर दी है।इसके तहत झारखंड समेत 16 राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण कराया जाएगा। झारखंड में यह प्रक्रिया 20 जून से शुरू होगी और 7 अक्तूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।निर्वाचन आयोग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, झारखंड में 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इसके बाद पांच अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। दावे और आपत्तियां पांच अगस्त से चार सितंबर तक लिये जाएंगे। सभी दावों और आपत्तियों के निबटारे के बाद सात अक्तूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होगी।निर्वाचन आयोग के अनुसार एसआईआर

फेज-क्क्क के दौरान देशभर में लगभग 36.73 करोड़ मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए 3.94 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर और 3.42 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) लगाए जाएंगे। राजनीतिक दलों को भी प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलए नियुक्त करने की अपील की गई है ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी हो सके।आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक झारखंड में कुल 2 करोड़ 64 लाख 89 हजार 777 मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए राज्य में 29,571 बीएलओ तैनात किए जाएंगे, जबकि विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से 21,644 बीएलए लगाए जाएंगे। चुनाव आयोग का कहना है कि बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी की जांच करेंगे और आवश्यक सुधार दर्ज करेंगे।झारखंड में एसआईआर कार्यक्रम के तहत तैयारी, प्रशिक्षण और प्रिंटिंग का कार्य 20 जून से 29 जून 2026 तक चलेगा। इसके बाद 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इस दौरान मतदान केंद्रों का युक्तिकरण (रेशनलाइजेशन ऑफ पोलिंग स्टेशन) भी किया जाएगा।निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार झारखंड में 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक दावा और आपत्ति दर्ज कराने का समय दिया जाएगा। वहीं, दावे और आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया 3 अक्टूबर 2026 तक चलेगी।सभी दावों और आपत्तियों के निपटारे के बाद 7 अक्टूबर 2026 को झारखंड की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। आयोग का कहना है कि इससे चुनावी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनेगी।चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों से मांगा सहयोगनिर्वाचन आयोग ने कहा कि एसआईआर एक सहभागी प्रक्रिया है, जिसमें मतदाता, राजनीतिक दल और चुनाव अधिकारी सभी की अहम भूमिका होती है।आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से प्रत्येक बूथ पर बीएलए नियुक्त करने की अपील की है ताकि प्रक्रिया में पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सके। आयोग ने यह भी कहा कि पहले दो चरणों में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 59 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है।निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में फिलहाल एसआईआर कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। इन क्षेत्रों में जनगणना के दूसरे चरण और मौसम की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बाद में कार्यक्रम जारी किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ कोर्ट ने पंजाब रेजिमेंटल सेंटर की संपत्ति कुर्क करने का दिया आदेश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़ के सिविल जज (सीनियर डिवीजन)-दो सह विशेष न्यायाधीश (एलए) शिवेंदु द्विवेदी की अदालत ने भूमि अधिग्रहण मुआवजा मामले में लगभग 1.42 करोड़ रुपये की बकाया राशि वसूली के लिए रक्षा मंत्रालय से संबंधित संपत्ति की कुर्की का आदेश जारी किया है।यह आदेश लैंड रेफरेंस केस संख्या 26/1990 एवं संबंधित लैंड एग्जीक्यूशन केस संख्या 1/2005 में पारित किया गया। अदालत के अनुसार वर्ष 2004 में पारित अवार्ड के तहत अवार्डधारकों एवं याचिकाकताओं को भुगतान किया जाना था, जिसमें मूल मुआवजा राशि एवं 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज शामिल है।न्यायालय ने कहा कि अब तक 1,42,20,809.48 रुपये का भुगतान नहीं किया गया है। इसके बाद अदालत ने बकाया राशि की वसूली को लेकर संपत्ति कुर्क करने का निर्देश दिया।अदालत ने बैलिफ को निर्देश दिया है कि वह पंजाब रेजिमेंट सेंटर (पीआरसी), रामगढ़ कैंट से संबंधित विभिन्न खातों एवं प्लॉटों की चल संपत्ति को कुर्क करे। संबंधित भूमि रामगढ़ जिले के बुजुर्ग जमीरा एवं पोचरा गांवों में स्थित बतायी गई है।न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि यदि बकाया राशि एवं कुर्की खर्च का भुगतान नहीं किया जाता है, तो संपत्ति को न्यायालय के अगले आदेश तक कुर्क रखा जाएगा। बैलिफ को वारंट के निष्पादन की रिपोर्ट 14 मई तक प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया है।

कुचाई के रुगुडीह में 99 लाख से बनेगा नया पंचायत भवन,जिप अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने किया स्वास्थ्य उप केंद्र भवन का शिलान्यास

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : जिले के कुचाई प्रखंड के रुगुडीह में 15वें वित्त आयोग योजना के तहत करीब 99 लाख रुपये की लागत से नया पंचायत भवन बनेगा। इस भवन में सभी तरह की सुविधायें उपलब्ध रहेगी। जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा, उपाध्यक्ष मधुश्री महतो, जिप सदस्य जिंगी हेंब्रम, प्रमुख गुड्डी देवी, मुखिया करम सिंह मुंडा ने शिलापट अनावरण कर शिलान्यास किया।मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सोनाराम बोदरा ने कहा कि यह पंचायत भवन क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ जनसेवा एवं विकास कार्यों को नई गति प्रदान करेगा। पंचायत स्तर पर लोगों की समस्याओं के समाधान, बैठकों एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं के सुचारू संचालन में यह भवन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जनसेवा को ही अपना संकल्प बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य के प्रति सभी को जागरुक होने की आवश्यकता है। जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं को धरातल पर उतारते पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि जिला परिषद के जरीये ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराया जा रहा है। जिप सदस्य जिंगी हेंब्रम ने भवन का निर्माण कार्य ससमय पूरा करने पर जोर दिया। साथ ही गुणवत्ता का पुरा ख्याल रखने को कहा. मौके पर प्रतिमा देवी, मदन मुंडा, घनश्याम मुंडा, धर्मेंद्र सांडिल, बिषकंठ प्रधान आदि उपस्थित थे।

आसनबनी में डीसी ने 4 सखी मंडल की दीदीयों सौंपा टोटो की चाभी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

दुमका : आसनबनी मिडिल स्कूल प्रांगण में जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के हाथों फीता काट कर सखी मंडल के चार दीदीयों को टोटो वितरण किया गया। जेएसएलपीएस के तहत सामुदायिक निवेश निधि (सीआइएफ) श्ऋण योजना के माध्यम से चार सखी मंडल के दीदीयों के बीच टोटो वितरण किया गया। सालतोला पंचायत की सबिता सोरेन,रांगालिया पंचायत की करिश्मा बीबी,बृंदावनी पंचायत की मुनी किस्कू, तथा दक्षिणजोल पंचायत के बेबी कुमारी को सीआइएफ ऋण सहायता के तहत टोटो उपलब्ध कराया गया। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने तथा उन्हें स्वरोजगार व स्थायी आजीविका से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने व पंचायत स्तर तक आजीविका गतिविधियों का विस्तार करने के उद्देश्य से सीआइएफ ऋण आधारित योजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सखी मंडल की दीदीयां अब स्वरोजगार के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने के साथ साथ परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही है।टोटो प्राप्त करने पर सभी दीदीयों को काफी उत्साहित व प्रसन्न देखी. इस दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्वयं टोटो पर बैठ कर अवलोकन किया। दीदीयों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें इस अवसर का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने की शुभकामनाएं दीं।

गुवा सेल माइंस आंदोलन समाप्त, मधु कोड़ा की पहल पर बनी सहमति

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : गुवा स्थित सेल माइंस क्षेत्र में पिछले 72 घंटे से जारी बंद और चक्का जाम आंदोलन आखिरकार पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पहल और नेतृत्व में समाप्त हो गया। स्थानीय ग्रामीणों और बेरोजगार युवाओं द्वारा 500 युवाओं को रोजगार देने की मांग को लेकर चलाया जा रहा यह आंदोलन तीन दिनों तक जारी रहा, जिससे खदान क्षेत्र में उत्पादन और परिवहन व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। आंदोलनकारियों का कहना था कि खदान क्षेत्र से करोड़ों रुपये का खनिज निकलने के बावजूद स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। इसी मांग को लेकर 19 गांवों के ग्रामीण, महिलाएं और युवा बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल हुए। कई दौर की वार्ता विफल होने के बाद बुधवार शाम पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की अध्यक्षता में प्रशासन, सेल प्रबंधन और आंदोलनकारियों के बीच निर्णायक बैठक हुई, जो देर रात तक चली। वार्ता में सहमति बनने के बाद आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की गई।समझौते के तहत खदान प्रभावित 18 गांवों समेत कुल 19 गांवों के बेरोजगार युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया। रांजाबुरू खदान में कार्यरत ह्लमां सरलाह्व ठेका कंपनी तत्काल 50 स्थानीय युवाओं को रोजगार देगी। साथ ही भविष्य में गुवा खदान क्षेत्र में जितनी भी नई बहाली होगी, उसमें इन गांवों के युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए ग्राम सभा के माध्यम से शिक्षित एवं कार्यकुशल बेरोजगार युवाओं की सूची तैयार की जाएगी। सूची की जांच के बाद आवश्यकतानुसार रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। समझौते में यह भी तय हुआ कि बाहरी लोगों की बजाय स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता मिलेगी। आंदोलन समाप्त होने के बाद खदान क्षेत्र में स्थिति सामान्य होने लगी है। स्थानीय लोगों ने इसे संघर्ष की बड़ी जीत बताते हुए मधु कोड़ा की भूमिका की सराहना की।

छिपादोहर स्टेशन हटाने के फैसले पर भड़के ग्रामीण, विशाल धरना, बाजार बंद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : जिले के छिपादोहर एवं हेहेगड़ा रेलवे स्टेशन को हटाने के रेलवे प्रशासन के फैसले के खिलाफ जन आक्रोश फूट पड़ा है। गुरुवार को विस्थापन संघर्ष समिति के बैनर तले छिपादोहर रेलवे स्टेशन परिसर में एक विशाल एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। इस आंदोलन में क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने हिस्सा लेकर रेलवे के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की।कार्यक्रम विधायक रामचंद्र सिंह भी शामिल हुए।ग्रामीणों का कहना है कि यह हमारे अस्तित्व की लड़ाई है। रेलवे ने अगर अपना फैसला वापस नहीं लिया, तो यह शांतिपूर्ण धरना उग्र आंदोलन और चक्का जाम में बदल जायेगा।संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों ने कहा ने कहा कि जनता की सहमति के स्टेशनों को हटाना सीधे तौर पर ग्रामीण विकास को रोकना है।हम किसी भी कीमत पर स्टेशन को छिनने नहीं देंगे।वहीं

विधायक रामचंद्र सिंह ने भी लोगों की मांग को सही ठहराते हुए कहा कि वह किसी भी कीमत पर स्टेशन को हटाने नहीं देंगे।इसके लिए चाहे उन्हें कोई भी आंदोलन क्यों नहीं करना पड़े वह जनता के साथ खड़े हैं।इस दौरान संवेदनशील स्थिति को देखते हुए छिपादोहर थाना पुलिस और आरपीएफ के अधिकारियों सहित भारी संख्या में जवानों को तैनात किया गया था।सुरक्षा बलों ने पूरे धरना स्थल की घेराबंदी कर रखी थी।पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी के कारण प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा, लेकिन ग्रामीणों ने साफ कर दिया है कि यह आंदोलन का सिर्फ पहला चरण है।अगर उनकी मांगे पूरी नहीं की गयी तो जोरदार आंदोलन किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रमुख सुशीला देवी उप प्रमुख वीरेंद्र प्रसाद जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर सहित सभी पंचायत के मुखिया व अन्य लोग शामिल हुए।रेलवे के विरोध में छिपादोहर बाजार के व्यापारियों ने अपनी दुकानें स्वेच्छा से बंद रखीं।स्थानीय दुकानदारों और ग्रामीणों का कहना है कि यह स्टेशन केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की आर्थिक रीढ़ है।स्टेशन हटने से हजारों परिवारों के सामने भुखमरी और रोजगार का संकट खड़ा हो जायेगा। पलामू टाइगर रिजर्व से होकर यह रेलवे लाइन गुजरती है।रेलवे के द्वारा थर्ड लाइन का निर्माण कराया जा रहा है लेकिन छिपादोहर से लेकर हेहेगड़ा तक निर्माण कार्य पिछले छह वर्षों से अधिक समय से बंद है। वन विभाग के द्वारा रेलवे लाइन हटाने का प्रस्ताव दिया गया था। इसके बाद रेलवे और वन विभाग के उच्च अधिकारियों की उपस्थिति में यह तय किया गया है कि रेलवे लाइन को डायवर्ट किया जायेगा। हालांकि यह बताया गया है कि थर्ड लाइन से केवल मालगाड़ी ट्रेन को ही गुजरने दिया जायेगा। पैसेंजर ट्रेन यथावत रहेंगे। बावजूद इसके आसपास के लोगों में भारी आक्रोश है और लोग उसका विरोध कर रहे हैं।जबकि रेलवे लाइन डायवर्ट करने का रेलवे बोर्ड की केंद्रीय मंजूरी मिल चुकी है।

दो साल बाद जेल से बाहर निकले पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, कहा सत्य की जीत होती है

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद गुरुवार को रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से बाहर आए। टेंडर घोटाला मामले में गिरफ्तार पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से जमानत पर बाहर निकले।आलमगीर आलम के जेल से बाहर आने की खबर से उत्साहित उनके समर्थक बड़ी संख्या में बिरसा मुंडा कारा पहुंचे हुए थे। जेल से बाहर निकलने पर उनके समर्थकों में गजब का उत्साह देखने को मिला। समर्थक आलमगीर आलम के वाहन पर पुष्प वर्षा कर रहे थे और उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब दिख रहे थे। जेल से बाहर निकलने पर अपने काफिले के साथ आलमगीर आलम रांची के धुर्वा स्थित आवास पहुंचे। इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश और राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह समेत बड़ी संख्या में पार्टी के नेता कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में आलमगीर आलम ने जमानत मिलने पर न्यायालय का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि सत्य की हमेशा जीत होती है। उन्हें न्यायालय की पूरी प्रक्रिया पर भरोसा है। आलमगीर आलम ने कहा कि आगे भी सत्य की जीत होगी।आलमगीर आलम को प्रवर्तन निदेशालय ने मई 2024 को गिरफ्तार किया था।सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार सुबह मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम और उनके पीए संजीव लाल को बड़ी राहत देते हुए जमानत दी थी। झारखंड हाईकोर्ट द्वारा पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और उनके पीए संजीव लाल की जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने आलमगीर आलम को 15 मई 2024 को टेंडर कमीशन घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था।यह कार्रवाई उनके करीबियों के ठिकानों पर की गई छापेमारी में 32.20 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद होने के बाद हुई थी।

चतरा पुलिस ने अफीम कारोबार के विरुद्ध की बड़ी कार्रवाई,10 लाख रुपए मूल्य के 2.28 किलो अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

चतरा : इटखोरी थाना पुलिस ने गुरुवर को दो किलो 28 ग्राम अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर सदर थाना क्षेत्र के लिपदा गांव के विकास कुमार है। एसपी अनिमेष नैथानी ने अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी। कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि इटखोरी थाना क्षेत्र से एक तस्कर कार से अवैध अफीम खरीद-बिक्री के लिए लेकर जा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए एक छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए अफीम के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया गया। तस्कर के विरुद्ध इटखोरी थाना में एनडीपीएस में एक्ट के तहत मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया। छापेमारी टीम में मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक अमिता लकड़ा, इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह, सहायक अवर निरीक्षक पंकज कुमार, दुखीराम महतो, ओमप्रकाश यादव, जयपाल उरांव सहित जवान शामिल थे।

डालसा सचिव पहुँचे वात्सल्य धाम, बच्चों से मिलकर जाना उनका हाल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन गुरुवार को मेदिनीनगर के सिंचाई विभाग स्थित वात्सल्य धाम का निरीक्षण किया। इस दौरान वात्सल्य धाम में रह रहे बच्चों को दिनचर्या के बारे में जानकारी ली।उन्होंने बच्चों से बातचीत भी किया। उन्होंने बच्चों की दिनचर्या,जरूरतों सुविधाओ ओर भोजन की गुणवत्ता का भी जानकारी लिया। साथ ही बच्चों के मेडिकल के फस्ट एड की सुबिधा के बारे में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान बेड कक्ष, पाकशाला,स्टोर गृह,प्रसाधन को भी देखा।उन्होंने वार्डन व काउंसलर को बच्चों नियमित योगा कराने व खेलकूद कराने का भी निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि इससे तन मन स्वस्थ होगा। वार्डन के द्वारा बताया गया कि वर्तमान में 18 बच्चे रह रहे है।मेन्यू के मुताबिक बच्चों को भोजन दिया जाता हैं।उन्होंने कहा कि बच्चों को भोजन व रहने की उचित व्यवस्था का ख्याल रखा जाए।इस दौरान उन्होंने वार्डन को कई दिशा निर्देश दिया।साथ ही साफ सफाई पर बिशेष ध्यान रखने का भी निर्देश दिया। मौके पर उन्होंने विजिटर रजिस्टर के अलावे अन्य रजिस्टर को भी देखा।इस दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय,असिस्टेंट वीर विक्रम वक्स राय, पीएलवी विनय प्रसाद , वार्डन शिलवी शालिनी, राकेश कुमार, सीमा कुमारी,अमरजीत कुमार,रेखा कुमारी आदि मौजूद थे।

68 वर्षीय बुजुर्ग पर चार साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप, पोक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के मिश्रा कॉलोनी में इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आयी है। यहां 68 वर्षीय बुजुर्ग विद्या साव ने साढ़े चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।जानकारी के अनुसार, आरोपी विद्या साव ने गत 30 अप्रैल को बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया था।घटना के बाद से बच्ची को आंतारिक शारीरिक पीड़ा भी हो रही है।हद तो तब हो गई जब आरोपी गुरुवार को फिर चॉकलेट का लालच देकर बच्ची को घर ले जाने का प्रयास करने लगा।डरी-सहमी बच्ची भागकर मां के पास पहुंची और पूरी बात बताई।मां ने

तत्काल मोहल्ले के लोगों को घटना की जानकारी दी।इससे आक्रोशित लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया।इधर, घटना से गुस्साए लोगों ने सिनेमा मोड़ के पास एनएच-139 को कुछ देर के लिए जाम कर दिया। बाद में थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार और अन्य गणमान्य लोगों के समझाने पर जाम हटाया गया और आवागमन बहाल हुआ। मामले की छानबीन करने पहुंचे छतरपुर एसडीपीओ अवध कुमार यादव ने बताया कि पीड़िता की मां के आवेदन पर आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए मेदिनीनगर भेजा गया है।आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

100 बोतल देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, वाहन जब्त, बिहार लेकर जा रहा था शराब

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले के हुसैनाबाद पुलिस ने दंगवार पुलिस पिकेट के समीप वाहन चेकिंग अभियान के दौरान चार कार्टून देशी शराब लदे वाहन को जब्त किया है।साथ ही एक युवक को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार युवक विक्रांत सिंह थाना क्षेत्र के बहेरा गांव का रहने वाला है, शराब के साथ एक्सयूवी 500 जिसका नंबर एचआर 26बी जेड 0496जब्त किया गया है।इसकी जानकारी देते हुए हुसैनाबाद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया की एसडीपीओ दिव्यांशु शुक्ला को गुप्त सूचना मिली की जपला दंगवार रास्ते एक वाहन पर अवैध शराब बिहार भेजा जा रहा है।सूचना के आधार पर एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दंगवार पुलिस पिकेट के पास चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान एक वाहन को रोक कर तलाशी ली गयी तलाशी के दौरान वाहन में चार कार्टून में देशी शराब पाया गया। कार्टून में देशी टनाका अंकित था प्रत्येक कार्टून में 25 टनाका देशी शराब पाया गया। इस संबंध में उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर युवक को न्यायिक हिरासत मेदिनीनगर भेज दिया गया। इस अभियान में एस आई मुकेश सिंह, एएसआई कालिका राम, वा कई आरक्षी शामिल थे।चंदन कुमार ने बताया की अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जाएगा।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580

संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

जिले में पेट्रोल - डीजल की कोई कोई कमी नहीं : डीसी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि जिले में पेट्रोल - डीजल की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है। अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। गुरुवार को डीसी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव तथा अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एवं हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के वरीय प्रबंधन मौजूद थे। बैठक में पेट्रोल पंपों पर ईंधन सप्लाई की वास्तविक स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। पेट्रोलियम कंपनियों से जब पूछा गया कि बुधवार को अचानक सभी पेट्रोल पंप पर वाहनों की अत्यधिक भीड़ होने का क्या कारण था तब पेट्रोलियम कंपनियों ने बताया कि पेट्रोल डीजल की सप्लाई में कोई कमी नहीं है। आज सुबह से सभी पंप पर ईंधन की आपूर्ति जारी है। बताया कि बुधवार को अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर अचानक वाहनों की भीड़ उमड़ पड़ी। घबराहट में लोग अपने वाहनों में अतिरिक्त ईंधन भराने के लिए पहुंचने लगे। इसके कारण सामान्य व्यवस्था प्रभावित हुई। बताया कि बुधवार को अफवाह के कारण कुछ पेट्रोल पंपों पर 4 दिन की बिक्री के बराबर ईंधन की बिक्री हुई। अमूमन वाहनों में कम ईंधन भराने वालों ने भी अधिक ईंधन भरा लिया। जबकि ईंधन की सप्लाई सुचारू रूप से बनी हुई है। प्रबंधन ने धनबाद को अतिरिक्त ईंधन सप्लाई किया है। पेट्रोलियम कंपनी हर रिटेलर के स्टॉक की जानकारी ऑनलाइन देख सकते हैं। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने कहा कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती तब तक जिला प्रशासन एवं पेट्रोलियम कंपनियां रिटेल आउटलेट पर नजर बनाए रखेंगी। जिला पशासन ने सभी अंचल अधिकारियों एवं संबंधित थाना को अपने-अपने क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर नजर बनाए रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिला प्रशासन को पेट्रोल पंप में स्टॉक की सूचना देने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनहित के विरुद्ध रिटेल आउटलेट कोई काम नहीं करेगा। ईंधन का स्टॉक होने के बावजूद पेट्रोल पंप जानबूझकर ईंधन नहीं देगा तो जिला प्रशासन अपने स्तर से पंप संचालक के विरुद्ध करवाई करेगा। बैठक के अंत में उप विकास आयुक्त ने जिला प्रशासन की ओर से लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज, सिटी एसपी श्री ऋत्विक श्रीवास्तव, अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे, बीपीसीएल के टेरिटरी मैनेजर मनीष कुमार गर्ग, एचपीसीएल के रीजनल मैनेजर अमित मेहता, आईओसीएल के डिविजनल मैनेजर सुयांश कुमार मौजूद थे।

पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भारी भीड़, तेल की किल्लत की अफवाह से बिगड़े हालात

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत होने की अफवाह फैलते ही आज सुबह से ही धनबाद के पेट्रोल पंपों पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया। डुमरा, भीमकनाली व जमुआटांड स्थित पेट्रोल पंप में तेल लेने के लिए लोगों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे कई जगहों पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सुबह से लगी कतारें सड़कों तक पहुंच गईं। स्थानीय लोगों में इस बात का डर था कि आने वाले दिनों में तेल मिलना पूरी तरह बंद हो जाएगा। इस आपाधापी में लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं। हंगामे की मुख्य वजह पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा 'फोन पे' या अन्य ऑनलाइन भुगतान न लेना रही। संचालकों द्वारा सिर्फ नकद की मांग की जा रही है, जिससे ग्राहकों का गुस्सा फूट पड़ा। कई लोगों के पास नकद राशि न होने के कारण पंप कर्मियों के साथ तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी हुई। एक लीटर की सीमा तय भीड़ को नियंत्रित करने और स्टॉक बचाने के लिए कई पेट्रोल पंपों ने तेल की बिक्री पर सीमा लगा दी है। फिलहाल प्रति व्यक्ति एक लीटर से ज्यादा पेट्रोल नहीं दिया जा रहा है, जिससे लंबी दूरी तय करने वाले चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुलिस ने संभाला मोर्चा विभिन्न पेट्रोल पंपों पर बढ़ते हो-हंगामे और बिगड़ती कानून व्यवस्था को देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने पुलिस बल तैनात कर दिया है। पुलिसकर्मियों को कतारें व्यवस्थित करने और लोगों को शांत कराने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। प्रशासन की ओर से फिलहाल स्थिति पर नजर रखी जा रही है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम का विरोध, जेसीबी के आगे लेटा पीड़ित, बैरंग लौटे अधिकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद थाना क्षेत्र के विनोद नगर में गुरुवार को रेलवे प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई उस वक्त विवादों में घिर गई, जब स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। रेलवे अधिकारी और धनबाद सीओ जेसीबी मशीन लेकर मकान और दुकानों को तोड़ने पहुंचे थे।स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना किसी पूर्व नोटिस और बिना मुआवजा दिए अचानक कार्रवाई शुरू कर दी गई। लोगों का कहना है कि वर्षों से वे यहां रहकर अपना रोजगार चला रहे थे, लेकिन अचानक हुई कार्रवाई से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है।कार्रवाई के विरोध में लोगों ने रेलवे प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान एक पीड़ित व्यक्ति जेसीबी मशीन के आगे जाकर लेट गया और कार्रवाई रोकने की मांग करने लगा। मौके पर तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया।स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से उचित मुआवजा और वैकल्पिक व्यवस्था की मांग की। लगातार विरोध और बढ़ते हंगामे को देखते हुए अधिकारियों को फिलहाल कार्रवाई रोकनी पड़ी और पूरी टीम बैरंग लौट गई।

फर्जी रेलकर्मी बन यात्रा करते धराया, भरा जुमार्ना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : गोड्डा-रांची एक्सप्रेस में रेलकर्मी बन यात्रा कर रहे एक रेलयात्री को डयूटी पर तैनात जॉर्ज बारला, टीटीआई/धनबाद ने टिकट जांच के दौरान पकड़ लिया। टीटीआई ने उक्त व्यक्ति से 1336 रुपये जुमार्ना वसूल किया।धनबाद के टीटीआइ जॉर्ज बारला गोड्डा रांची एक्सप्रेस में डयूटी पर थे।उन्होंने टिकट जांच के दौरान बी-1 कोच के बर्थ संख्या पांच पर बैठा एक यात्री से टिकट दिखाने का आग्रह किया। वह भागलपुर से रांची जा रहा था।उसने टिकट नहीं दिखाते हुए अपना नाम नागमणि शर्मा बताते हुए स्वयं को पूर्व मध्य रेल,मुख्यालय हाजीपुर का सतर्कता निरीक्षक होने का परिचय दिया।उसके बातचीत से गतिविधियाँ संदिग्ध प्रतीत होने पर टीटीआई ने अपने सहकर्मियों की मदद से उसका कुंडली खंगालने लगा।जिसमें इस नाम का कोई सतर्कता निरीक्षक हाजीपुर में कार्यरत नहीं पाया गया।यात्री से पहचान पत्र प्रस्तुत करने को कहा गया, परंतु वह पहचान पत्र दिखाने में आनाकानी करने लगा। पुलिस को सुपुर्द करने की चेतावनी देने पर उसने अपना पहचान पत्र दिखाया।जांच के दौरान आधार कार्ड में उसका नाम नागमणि कुमार मिला जो उसके द्वारा बताए गए नाम से भिन्न था। यात्री को विधिवत टिकट बनवाने के लिए कहा गया।प्रारंभ में उसने कोच छोड़ने की बात कही परंतु टीटीआइ ने नियमानुसार कार्रवाई कर उससे 1336/- रुपये का जुमार्ना वसूला किया और बी-1 कोच में खाली बर्थ संख्या 19 आवंटित किया।

भू - धंसान प्रभावितों की समस्या समाधान की मांग

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः केंदुआडीह राजपूत बस्ती के रैयतों ने मुख्यमंत्री, जिला प्रशासन व बीसीसीएल से भू धंसान प्रभावितों के लिए उचित ठोस निर्णय लेने व धनबाद - बोकारो सड़क की मरम्मत कर फिर से चालू करने की मांग की है। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि राजपूत बस्ती का दो सौ वर्षो का इतिहास है।जहां कई पीढियां जीवन गुजार चुकी है।बस्ती कई दशकों से आग ,भू धंसान के चपेट में है।मुआवजा को लेकर पीबी एरिया के कई अधिकारियों से वार्ता हुई। पहल भी हुई लेकिन अधिकारियों के बदलते ही मामला ठंडे बस्ते में पड़ जाता है। बस्ती के जमीन के सारे रिकॉर्ड पुटकी अंचल के सीओ व पीबी एरिया के जीएम के पास है।सीओ सारे तथ्यों से अवगत है लेकिन सही रिपोर्ट नही देते।जिसके कारण मामला उलझ कर रह गया है।ग्रामीणों ने कहा कि भू- धंसान की घटना में धंसे धनबाद बोकारो सड़क के दोनो किनारे बस्ती की आबादी है। भाजपा विधायक राज सिन्हा के कार्यालय में अधिकारी से बात करते वीडियो रिकार्ड करने की बात रणजीत सिंह ने स्वीकार किया। कहा कि ग्रामीणों के आग्रह पर विधायक समस्या के निदान को लेकर अधिकारी से तुरंत बात की। रिकार्ड कर ग्रामीणों के ग्रुप में सड़क के लिए हो रहे आंदोलन के पूर्व डाला था।लेकिन कुछ तत्वों ने षड्यंत्र रचा विधायक की छवि को धूमिल करने के लिए 24 घण्टे के अनशन के दौरान वीडियो को फेसबुक, वाट्सएप ग्रुप में डाल दिया। जिसकी जितनी निंदा की जाय कम है, कारण की विधायक खुद जनता के लिए धरना व अनशन कर रहे है। प्रेस कांफ्रेंस में सदानन्द बोस,दिनेश सिंह,सेलिन जल्द बोस, राम विकास सिंह, संजय सिंह,सन्तोष सिंह,मनजीत सिंह,सागर पंडित,अमित सिंह आदि शामिल थे।

धनबाद में व्यवसायी के घर बम फेंक दहशत फैलाने की कोशिश, जांच में जुटी पुलिस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद : धनबाद में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। ताजा मामला सरायढेला थाना क्षेत्र का है, जहां प्रेमसन होंडा सर्विस सेंटर के समीप रहने वाले व्यवसायी सुरेन्द्र अग्रवाल के आवास पर देर रात अज्ञात अपराधियों ने बम फेंक कर दहशत फैलाने की कोशिश की। गनीमत रही कि बम फटा नहीं, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी और दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही सरायढेला थाना के एसआई अनूप कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बम को कब्जे में लेकर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। मामले की गंभीरता को देखते हुए धनबाद विधायक राज सिन्हा भी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से जानकारी ली। बताया जा रहा है कि वर्ष 2010 में भी सुरेन्द्र अग्रवाल के घर डकैती की बड़ी घटना हो चुकी है। अब एक बार फिर इस घटना ने इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।देर रात व्यवसायी सुरेन्द्र अग्रवाल के घर के बाहर बम फेंके जाने की सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बम को सुरक्षित कब्जे में लिया। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।घटना के बाद धनबाद विधायक राज सिन्हा भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि शहर में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं और पुलिस को अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाएगी।

धनबाद सीओ पर कांग्रेस ने दर्ज कराई प्राथमिकी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने गुरुवार को धनबाद सीओ रामप्रवेश कुमार पर धनबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। सीओ पर अभद्र व्यवहार करने सहित अन्य कई गंभीर आरोप लगाया गया है। मालूम हो कि बुधवार को सीओ ने कांग्रेसियों के खिलाफ धनबाद थाने मामला दर्ज कराया गया था। कांग्रेसियों द्वारा गुरुवार को दर्ज कराई गई प्राथमिकी सीओ की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी का जवाब बताया जा रहा है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ने धनबाद अंचलाधिकारी (सीओ) के विरुद्ध धनबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए कई गंभीर आरोप लगाए हैं।जिला अध्यक्ष ने बताया कि बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ता स्थानीय समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान प्रशासन ने उन पर सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कर दिया। कांग्रेस का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह निराधार है और लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन करने का प्रयास है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार में संलिप्त हैं और उनकी कार्यप्रणाली से सरकार की छवि प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाने वाले कार्यकताओं को प्रताड़ित करना प्रशासन की गलत मानसिकता को दशार्ता है। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सरकार को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। अंचलाधिकारी पर कांग्रेस कार्यकताओं के साथ अभद्र व्यवहार, करना अपमानजनक भाषा के प्रयोग और जातिसूचक टिप्पणी करने के आरोप लग चुके हैं। उस संबंध में भी थाना में शिकायत दर्ज कराई गई थी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि लगातार सामने आ रही शिकायतें इस बात का संकेत हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने कहा कि पार्टी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करती है, लेकिन प्रशासनिक मनमानी और तानाशाही रवैये को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो कांग्रेस व्यापक आंदोलन शुरू करेगी।

शिक्षिका को अधिकार दिलाने के लिए सत्याग्रह पर बैठेंगे आरटीआई एक्टिविस्ट जगत महतो

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। अल्पसंख्यक स्कूल गुजराती हिंदी मध्य विद्यालय कतरास की शिक्षिका भावना चौहान को उसका हक अधिकार दिलाने के लिए अब आरटीआई एक्टिविस्ट सह सामाजिक कार्यकर्ता जगत महतो सत्याग्रह सह भूख हड़ताल पर बैठेंगे। इस संबंध में जगत महतो ने स्कूल के प्रधानाध्यापक के माध्यम से एसडीओ धनबाद को सूचना देते हुए आग्रह किया है कि शिक्षिका भावना चौहान की समस्या का निदान 3-4 दिन के भीतर करें अन्यथा बाध्य होकर 20 मई से वे सत्याग्रह सह भूख हड़ताल पर बैठेंगे। बता दे कि भावना चौहान को 17 महीने से वेतन नही मिला है। भावना चौहान का आरोप है कि कमेटी से वेतन मांगने पर वेतन के बदले नोटिस दिया जाता है, जिससे वो मानसिक रूप से प्रताड़ित होती है। वे उक्त स्कूल में वर्ष 2002 से शिक्षण कार्य कर रही है। 17 महीने से वेतन नही मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति ही दयनीय हो गई है। शिक्षिका भावना चौहान के धरने को शुरूआती दौर में भारतीय जनता पार्टी का साथ और सहयोग मिला था। भाजपा कतरास मंडल के दर्जनों पदाधिकारी और कार्यकर्ता भावना चौहान के साथ धरने पर बैठे थे तथा शिक्षिका के धरने को जायज बताते हुए कहा था कि जब तक शिक्षिका को न्याय नहीं मिल जाता है तब तक शिक्षिका के हक अधिकार की लड़ाई वे साथ मिलकर लड़ेंगे। विगत कई सप्ताह से शिक्षिका अपने हक अधिकार के लिए अकेले ही जूझ रही है और धरने पर बैठी हुई है। भावना ने बताया कि 25 दिन बीत गए लेकिन अब तक न्याय नही मिला है।

बायो मेडिकल वेस्ट निराकरण स्थल की जांच करेगी टीम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद। उप विकास आयुक्त सन्नी राज की अध्यक्षता में धनबाद की स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य धनबाद के निवासियों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में बायो मेडिकल वेस्ट के निराकरण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि बड़ा पिछड़ी स्थित बायो मेडिकल वेस्ट निराकरण स्थल के आसपास के ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बायो मेडिकल वेस्ट निराकरण करने वाली एजेंसी नियमों का पालन नहीं करती है। इसका समाधान करने के लिए अनुमंडल दंडाधिकारी के नेतृत्व में एक मेडिकल टीम तथा एजेंसी के प्रतिनिधि उक्त स्थल की जांच कर वस्तु स्थिति से अवगत होगी। बैठक में जिले में रक्त की कमी पर चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि रक्तदान शिविर का आयोजन करने वालों को एक सप्ताह पहले सिविल सर्जन कार्यालय में आवेदन देना होगा। इसके बाद टीम शिविर स्थल एवं सुविधाओं की जांच करेगी। सब कुछ सही होने पर शिविर का आयोजन करने की अनुमति मिलेगी। कहा कि रक्तदान के दौरान यदि रक्तदाता को कुछ होता है तो इसकी जिम्मेवारी सीधे प्रशासन पर आएगी। इसलिए नियमों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने जिले के सभी ब्लड बैंक का भौतिक निरीक्षण करने एवं रक्तदाता, रक्त की आवश्यकता का ऑनलाइन डाटाबेस तैयार करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ब्लड बैंकों को निर्देश दिया जाएगा कि वे थैलेसीमिया मरीजों को नियमित ब्लड रिप्लेसमेंट सुनिश्चित करें। साथ ही, ब्लड बैंकों को अपने संग्रह का 25% सदर अस्पताल को देना होगा। बैठक के दौरान जिले में संचालित क्लिनिकों पर विस्तृत चर्चा की गई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सभी एमओआईसी अपने क्षेत्र के क्लीनिक के लाइसेंस की जांच करेंगे। लाइसेंस नहीं होने या एक्सपायर होने पर क्लीनिक को सील करेंगे। बैठक में सदर अस्पताल के सुदृढ़ीकरण हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें में मुख्य रूप से रिक्त पदों पर भर्ती, बुनियादी ढांचे के विकास और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा की गई। साथ में सदर अस्पताल की सुविधाओं में विस्तार और आधुनिकीकरण, मरीजों को बेहतर इलाज देने के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। वहीं तोपचांची स्थित डायलिसिस यूनिट को अब सदर अस्पताल, धनबाद के हिस्से के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया गया। अल्ट्रासाउंड, एक्स-रे रिपोर्टिंग और ऑडियोमेट्री की दरों को व्यवस्थित करने पर सहमति बनी। अस्पताल में फायर और इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराने के साथ-साथ बायो-वेस्ट मैनेजमेंट को और प्रभावी बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद, पीएचईडी 1 के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर, पीएचईडी 2 के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, डीईओ अभिषेक झा, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, डब्ल्यू.एच.ओ. के डॉ दीपक कुमार के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भारी भीड़, तेल की किल्लत की अफवाह से बिगड़े हालात

डीएसओजी धनबाद की स्वर्ण जयंती पर होगा सम्मेलन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद।धनबाद सोसाइटी ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (डीएसओजी) इस वर्ष अपना स्वर्ण जयंती वर्ष मना रही है। इस ऐतिहासिक और गौरवशाली अवसर को यादगार बनाने के लिए 16 और 17 मईको धनबाद के ग्रैंड मिराज (रेडिसन इंडिविजुअल्स) में दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष सम्मेलन की थीम स्वस्थ नारी और सशक्त समाज रखी गई है। गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कार्यक्रम की जानकारी दी गई। बताया गया कि 16 मई को कार्यक्रम की शुरूआत मातृ मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से आयोजित प्रसवोत्तर रक्तस्त्राव वर्कशॉप से होगी। इस दिन फॉगसी की उपाध्यक्ष डॉ. आभा रानी सिन्हा 'प्री- एक्लेमप्सिया की स्क्रीनिंग' विषय पर अपना महत्वपूर्ण शोध प्रस्तुत करेंगी। इसके अलावा वैज्ञानिक सत्रों में 'बांझपन प्रबंधन' और 'गर्भधारण-पूर्व देखभाल' जैसे विषयों पर चर्चा होगी। 17 मई दूसरे दिन की शुरूआत 'गर्भसंस्कार' कार्यक्रम से होगी। दोपहर के सत्र में दो प्रमुख व्याख्यान होंगेः डॉ. सीसी.हजरा ओरेशन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. माधुरी पटेल 'गर्भावस्था में मधुमेह' पर और डॉ. लीना प्रिया ओरेशन में अध्यक्ष डॉ. भास्कर पाल 'एंडोमेट्रियोसिस' विषय पर जानकारी साझा करेंगे। साथ ही कैंसर स्क्रीनिंग और सीजेरियन ऑपरेशन की उन्नत तकनीकों पर भी सत्र होंगे। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। वर्कशॉप का संचालन डॉ. शीला माने, डॉ. मित्रा सक्सेना, डॉ. मंजू पुरी, डॉ. पूनम गोयल, डॉ. निवेदिता दत्ता और डॉ. राजलक्ष्मी टुबिड की टीम द्वारा किया जाएगा। इनके साथ ही डॉ. आभा रानी सिन्हा उपाध्यक्ष डॉ. एम.सी. पटेल, डॉ. संपत कुमारी और एडिटर-इन-चीफ डॉ. सुजाता दलवी विभिन्न वैज्ञानिक विषयों पर अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रेस वार्ता में डॉ. कोमल सिंह और डॉ. रीना बरनवाल के साथ डॉ. एस.के. दास, डॉ. प्रतिभा राय, डॉ. राजलक्ष्मी टुबिड, डॉ. कविता प्रिया, डॉ. शिवानी झा, डॉ. साधना, कोषाध्यक्ष डॉ. नूपुर चंदन, डॉ. नेहा प्रियदर्शिनी और डॉ. नीतू सहाय उपस्थित रहकर आयोजन की विस्तृत रूपरेखा साझा की। आयोजन समिति में आयोजन अध्यक्ष डॉ. कोमल सिंह,आयोजन सचिव डॉ. रीना कुमारी को बनाया गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय के वाणिज्य टॉपर को किया सम्मानित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः छाताबाद पांच नंबर निवासी धनंजय कुमार राय व रेणु देवीकी पुत्री ऋषिका कुमारी सरस्वती शिशु मंदिर श्यामडीह के वाणिज्यसंकाय में 95.4 प्रतिशत अंक लाकर स्कूल में टापर बनी है।भाजपा कतरास मंडल अध्यक्ष सूर्यदेव मिश्रा के नेतृत्व में गुरुवार को ऋषिका कुमारी को सम्मानित किया गया।मौके पर मंडल प्रभारी कुंदन सिंह, महामंत्री श्याम किशोर कल्लू, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सरदार बलवीर सिंह उर्फ राजू भैया,धीरज कुमार राय आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

नाबालिग से छेड़खानी के मामले में दोषी करार, सजा सोलह को

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : पोक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश बीके श्रीवास्तव की अदालत ने गुरुवार को नाबालिग बच्ची के साथ छेड़खानी के अभियुक्त विजय प्रसाद उर्फ विजय साहू को दोषी करार दिया है। सजा की बिंदु पर सुनवाई के लिए 16 मई की तारीख निर्धारित की है। मामला सदर थाना क्षेत्र का है, जिसमें आरोपी 14 दिसंबर 2024 से हिरासत में है। अभियुक्त गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में है। आरोपी ने 11 दिसंबर 2024 को पुरानी सिलाई मशीन खरीदने के बहाने पीड़िता के घर में प्रवेश किया था। मौके का फायदा उठाकर उसने 12 वर्षीय पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें कीं और उसे गलत तरीके से स्पर्श किया।

सांसद सुखदेव भगत ने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से मिलकर उन्हें दिया बधाई

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत रांची में झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम से उनके आवास में मुलाकात कर उन्हें सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने पर बधाई दिया।श्री भगत ने कहा कि अभी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को जमानत मिला है।उन्हें न्यायपालिका से पूरा विश्वास है कि आलमगिर आलम को रिहा भी किया जाएगा। संगठन को भी अब उनसे मजबूती मिलेगा। मौके पर बधाई देने वालों में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ,लोहरदगा अंजुमन के सचिव शाहिद अहमद वेलू भी थे।

आलू प्याज गोदाम में लगी आग, लाखों रुपए का नुकसान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो जिले के सेक्टर-12 थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात सेक्टर-12 फोरलेन सड़क के बगल में संचालित आलू प्याज में अचानक आग लग गई। आग लगने की घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते आग की लपटें उठनें लगी, जो कई किलोमीटर दूर से दिखाई दे रही थीं। संचालक मुन्ना राय ने बताया कि गोदाम में एक चार पहिया गाड़ी पर दर्जनों आलू का बोड़ा रखा हुआ था। रात करीब 11 बजे गाड़ी से शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई।गोदाम में गाड़ी में डालने के लिए डीजल से भरा का एक डब्बा भी रखा हुआ था। आग लगने के बाद मौके अफरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सेक्टर-12 थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई टीमें मौके पर पहुंचीं।आग को बुझाने के लिए दमकल की अतिरिक्त गाड़ियों को बुलाना पड़ा। अग्निशमन कर्मियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। संचालक मुन्ना राय ने बताया कि आग लगी में करीब 10 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

झोलाछाप डॉक्टर ने लगाया इंजेक्शन,पहाड़िया महिला की मौत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गोड्डा : ललमटिया थाना क्षेत्र के कुसुमघाटी में एक मेडिकल स्टोर पर अवैध रूप से क्लीनिक चलाने वाले झोलाछाप डॉक्टर पर इलाज के दौरान पहाड़िया महिला की मौत का आरोप है। घटना के बाद इलाके में आक्रोश है। क्षेत्र में सप्ताह भर के दौरान दो दो पहाड़िया महिला की मौत झोला छाप डॉक्टर के इलाज की लापरवाही की वजह से हुई है।परिजन एवं ग्रामीणों का आरोप है कि कुसुमघाटी स्थित राजेंद्र मेडिकल कुसुमघाटी के डॉक्टर के द्वारा बीमार महिला रोगी धरमि पहाड़ीन का इलाज किया जा रहा था सुई देने के बाद धर्मी का मौत हो गई। यहां इलाज के लिए आई पहाड़िया महिला को एक इंजेक्शन दिया गया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने कहा कि एक इंजेक्शन और जीवन खत्म हो गया।घटना के बाद स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन से मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने अवैध क्लीनिकों पर कार्रवाई और दोषी पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।गौरतलब है कि जिले में झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा अवैध क्लीनिक चलाने का मामला पहले भी सामने आता रहा है। डीसी लोकेश मिश्रा ने हाल की स्वास्थ्य समीक्षा बैठक में बिना निबंधन के अवैध क्लीनिक-नर्सिंग होम पर जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया था।फिलहाल इस मामले को लेकर पुलिस घटना स्थल पहुंच कर जांच कर रही है। मेडिकल हॉल को बंद कर संबंधित आरोपी फरार है।पुलिस के अनुसार लिखित शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला की गला रेत कर हत्या, की जा रही है पूछताछ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : कोडरमा जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत मिटको कॉलोनी से एक दिन दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक महिला की गला रेतकर हत्या कर देने का एक मामला प्रकाश में आया है। मृतका की पहचान 30 वर्षीय नेहा राज पति शंभू राणा के रूप में की गई है। घटना की जानकारी देते हुए मृतका के पड़ोसी उमेश पंडित ने बताया कि मृतका का पुत्र जो कि स्कूल गया हुआ था। जब वह 12:30 बजे के करीब घर लौटा और वैन से उतरकर जैसे ही कमरे में प्रवेश किया तो वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा और दौड़कर घर से बाहर की ओर भागा। उसकी चीख सुनकर लोग उसके पास पहुंचे। उसने लोगों से बताया कि उसकी माँ के गले से खून बह रहा है और वह कुछ बोल नहीं पा रही है। जिसके बाद आसपास के लोगों ने इसकी सूचना उनके पति शंभु राणा को दी, जो अपनी फैक्ट्री से कॉपी पहुंचाने किसी दुकान पर गए हुए थे। पड़ोसियो ने देखा कि महिला का गला किसी धारदार हथियार से रेता हुआ था और उसके गले से काफी खून भी बह रहा था। जिसके बाद लोग महिला को आनन-आनन फानन में लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के परिजनों से इस मामले में पूछताछ की जा रही है।

कृषि विज्ञान केंद्र में लाह बीज सेंटर का किया गया उद्घाटन, झारखंड के किसानों को अब खूंटी केवीके से लाह बीहन की होगी उपलब्धता

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

खूंटी : सूबे की कृषि, पशुपालन सह सहकारिता विभाग की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गुरुवार को तोरपा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र खूंटी में लाह बीज सेंटर की विधिवत शुरूवात की। अब झारखंड के लाह उत्पादन से जुड़े किसानों को कृषि विज्ञान केंद्र खूंटी से ही लाह की बीहन उपलब्ध होगी। किसानों को लाह के उत्पादन के लिए अन्य राज्यों से बीहन की खरीददारी करनी पड़ती थी। कृषि मंत्री ने केवीके में आयोजित कार्यक्रम में किसानों से सीधी वार्ता की और कहा कि खूंटी राज्य का पहला जिला है जिसमें सिद्धकोफेड के माध्यम से लाह बीहन का उत्पादन किया जाएगा। खूंटी जिले के अधिकांश किसान लाह की खेती से जुड़े हैं। भविष्य में बेहतर गुणवत्ता के लाह का उत्पादन हो सके इसके मद्देनजर राज्य सहकारिता विभाग ने खूंटी जिला का चयन किया है। यहां के किसान नामकुम स्थित लाह प्रसंस्करण केंद्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर लाह की खेती को बढ़ावा दे सकते हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारियां भी दी। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुई ग्रामीणों के नुकसान और सरकार द्वारा प्रदत्त मुआवजा की भी जानकारियां साझा की। कृषि मंत्री ने कहा कि अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण ले सकते हैं। चाहे

ओलावृषि हो, वज्रपात हो, सर्पदंश हो, कुंआ, नदी तालाब में डूबकर मौत का मामला हो इन सभी मामलों में सरकार सहायता राशि प्रदान करती है। उन्होंने अपने विधानसभा मांडर का उल्लेख करते हुई बताया कि वहां के ग्रामीण विभिन्न आपदाओं का लाभ ले चुके हैं और छह करोड़ की सहायता राशि झारखण्ड सरकार द्वारा लाभुकों को दी गई है। कार्यक्रम में कृषि से जुड़ी संस्मारिका का विमोचन किया गया। खूंटी और तोरपा क्षेत्र की एफपीओ से जुड़ी दीदियां कृषि मंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को रखी और क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज और कृषि उपजों के लिए गोदाम समेत अन्य जरूरी कृषि विकास योजनाओं से संबंधित मांगे भी रखीं। कार्यक्रम में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया, जिला परिषद अध्यक्ष मसीह गुड़िया, जिला कृषि पदाधिकारी, पशुपालन, गव्य विकास, भूमि संरक्षण पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में महिला पुरुष किसान उपस्थित थे।

शादी का झांसा देकर नाबालिक के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी को कोर्ट ने सुनाई 25 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमाशंकर सिंह की अदालत ने पॉक्सो एक्ट मामले की सुनवाई करते हुए शादी का झांसा देकर नाबालिक के साथ शारीरिक संबंध बनाने के आरोपी सिद्धार्थ किस्कू को दोषी करार देते हुए 25 वर्ष सश्रम कारावास एवं 20 हजार रुपया जुमार्ना की सजा सुनाया है।जुमार्ना नहीं देने पर दोषी को 4 माह का अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी होगी।यह सजा पॉक्सो एक्ट के अंडर सेक्शन 6 के तहत सुनाया गया है।मामला सरायकेला महिला थाना का है.मामले को लेकर पीड़िता के पिता ने महिला थाना में आरोपी सिद्धार्थ किस्कू के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।मामला 15 दिसंबर 2024 का है.मामले को लेकर

पीड़िता के पिता ने 21 दिसंबर 2024 को सरायकेला महिला थाना में मामला दर्ज किया था।आवेदन में कहा गया था कि 15 दिसंबर की सुबह करीब 3 बजे सिद्धार्थ किस्कू पीड़िता को फोन कर घर से बाहर बुलाया।उसके बाद उसे अपनी स्कूटी पर बैठाकर दशमी पूजा देखने के लिए डुबुलडीह गांव लेकर गया।वहां आरोपी पीड़िता के साथ डांस करने लगा।कुछ देर बाद पीड़िता ने आरोपी से उसे घर छोड़ देने को कहा।आरोपी ने पीड़िता को यह कहकर कि गांव के तरफ से जाएंगे तो लोग देख लेंगे उसे दूसरे रस्ते से लेकर जाने लगा।चार बजे के करीब डोबोडीह के पास उसने स्कूटी रोक दी और पीड़िता के साथ जोर जबरदस्ती करने लगा।पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उससे शादी करने की बात कहकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया।इसके बाद पीड़िता को गम्हरिया बस स्टैंड के पास ले जाकर छोड़ दिया।पीड़िता के घर से जब उससे संपर्क किया गया तो उसने गम्हरिया में होने की बात बताई। पीड़िता के पिता ने उसे गाड़ी पकड़ कर सरायकेला आने को कहा।जिसके बाद पीड़िता अपने घर गई.चार दिन बाद 21 दिसंबर को पीड़िता ने आरोपी द्वारा किए गए सभी घटना को अपने परिजनों को बताया,जिसके बाद उसके पिता ने सरायकेला महिला थाना में मामला दर्ज कराया।

तीन सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू, हेसला पंचायत के लोगों का विरोध प्रदर्शन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : हेसला पंचायत के विस्थापित परिवारों के आजीविका, पुनर्वास एवं संवैधानिक अधिकारों की मांग को लेकर गुरुवार से अनिश्चितकालीन धरना शुरू हो गया है।यह धरना भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा के समीप, सामान्य न्यायालय परिसर स्थित बिरसा मुंडा चौक पर आयोजित किया जा रहा है।राजीव गांधी पंचायती राज संगठन झारखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष शांतनु मिश्रा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पंचायत के लोग एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान जमीन अधिग्रहण का विरोध करते हुए लोगों ने अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई।

धरना में शामिल लोगों का कहना है कि हेसला पंचायत के विस्थापित परिवारों को आजीविका, पुनर्वास और उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।इसी के विरोध में यह अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया है।मौके पर कांग्रेसी नेता शांतनु मिश्रा ने कहा कि कोर्ट के आदेश के बावजूद लोगों को जबरन बेघर किया जा रहा है, जो पूरी तरह गैरकानूनी है।उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की।इससे पूर्व शांतनु मिश्रा द्वारा उपायुक्त रामगढ़ को तीन सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया था। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया था कि मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में अनिश्चितकालीन धरना किया जाएगा, जिसके तहत गुरुवार से आंदोलन शुरू कर दिया गया है।

पुलिस ने दस लाख के अफीम के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार, कार जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : इटखोरी पुलिस ने बक्सा पुल के पास से दस लाख के अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर सदर थाना क्षेत्र के लिपदा गांव निवासी विशाल कुमार (पिता स्व प्रमोद साव) है।उसके पास से 2.028 किलोग्राम अफीम के अलावा एक बलेनो कार (जेएच 02 बीजे 5997) व एक मोबाइल जब्त किया गया। यह जानकारी एसपी अनिमेष नैथानी ने गुरूवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में प्रेस कांफ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी चतरा के तरफ से बलेनो कार से अफीम लेकर इटखोरी की ओर जा रहा है।सूचना के आधार पर छापामारी टीम का गठन किया गया।टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बक्सा पुल के पास वाहन चेकिंग के दौरान बलेनो कार को रोकर तलाशी ली गयी।इस दौरान अफीम जब्त किया गया।गिरफ्तार विशाल पैडलर का काम करता था, वह लगातार अफीम को लेकर हजारीबाग जाता था। इस अफीम को भी हजारीबाग ही लेकर जा रहा था, इस दौरान उसे गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।एसपी ने कहा कि इस नेटवर्क में शामिल कई अन्य लोगो का नाम सामने आया है, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर अभियान चलाया जा रहा है।छापामारी टीम में डीएसपी मुख्यालय अमिता लकड़ा, इटखोरी थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह, एएसआई पंकज कुमार, दुखीराम महतो के अलावा आरक्षी ओमप्रकाश यादव, जयपाल उरांव, चालक आरक्षी रविकांत सिंह शामिल थे।

शादी से इनकार के बाद प्रेमी के घर पहुंची युवती,रविवार को दोबारा बैठेगी पंचायत

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गढ़वा : रमना प्रखंड क्षेत्र के एक गांव में प्रेम प्रसंग का एक अनोखा मामला सामने आया है, जो पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।एक युवती ने तय शादी से इनकार करने के बाद अपने प्रेमी के घर का दरवाजा खटखटाया है।मामला तब और पेचीदा हो गया जब युवती के परिजन इस रिश्ते के विरोध में खड़े हो गए।गुरुवार को इस विवाद को सुलझाने के लिए गांव में पंचायत बुलाई गई, लेकिन मैराथन बैठक के बाद भी कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकल सका।अब सबकी निगाहें रविवार को होने वाली अगली बैठक पर टिकी हैं।जानकारी के अनुसार, युवती पुष्पा कुमारी की शादी कहीं और तय थी। एक दिन पूर्व जब उसके घर से बारात लौट गई, तो पुष्पा अपने प्रेमी रंजन कुमार (पिता-कैलाश राम) के घर पहुंच गई।बताया जा रहा है कि रंजन और पुष्पा के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा था।युवती के अचानक प्रेमी के घर पहुंचने से गांव में हड़कंप मच गया।हैरानी की बात यह रही कि प्रेमी रंजन के पिता कैलाश राम और उनके परिजनों ने पुष्पा को अपनी बहू के रूप में स्वीकार करने की तुरंत सहमति दे दी।हालांकि, जब इस बात की भनक युवती के घरवालों और ग्रामीणों को लगी, तो वे आक्रोशित हो उठे मामला बढ़ता देख स्थानीय बुद्धिजीवियों ने हस्तक्षेप किया और गांव में पंचायत बुलाई गई।गुरुवार को हुई पंचायत में मुखिया प्रतिनिधि बिरंची पासवान, रामचंद्र राम सहित कई गणमान्य लोग और दोनों पक्षों के परिजन मौजूद थे। पंचायत में युवक और युवती से भी उनके भविष्य को लेकर पूछताछ की गई।ग्रामीणों ने आपसी सहमति से मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया, लेकिन सहमति नहीं बन पाई.पंचायत का कहना हैं कि फिलहाल दोनों पक्षों की बातों को सुना गया है। गुरुवार की बैठक में कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका, जिसके कारण अब रविवार को दोबारा पंचायत बुलाई गई है। कोशिश है कि सामाजिक स्तर पर ही इस विवाद का सुखद समाधान निकाल लिया जाए।इधर

इस घटना को लेकर रमना क्षेत्र में दिनभर कयासों का दौर जारी रहा।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि दोनों परिवारों के बीच समय रहते बातचीत हुई होती, तो शादी टूटने और पंचायत तक मामला पहुंचने की नौबत नहीं आती।अब सभी को रविवार की पंचायत का इंतजार है।

नियमितीकरण नियमावली ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ, अनाधिकृत रूप से बने सात लाख मकान होंगे नियमित

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : झारखंड में अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितीकरण नियमावली के प्रावधानों को लागू किए जाने के लिए गुरुवार को रांची में ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रांची के धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन सभागार में किया गया। इस मौके पर राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार, विभागीय सचिव, अधिकारी और फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। ऑनलाइन पोर्टल का उद्घाटन करने के बाद नगर विकास मंत्री सूदिव्य कुमार ने कहा कि पूर्व में छूटे राज्य भर में लगभग 7 लाख अनियमित मकान है जो इस योजना का लाभ उठाकर नियमितीकरण के अंतर्गत आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और जनता के बीच एक समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य से नियमितीकरण ऑनलाइन पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि नियमितीकरण के नाम पर भारी भरकम शुल्क वसूलना राज्य सरकार की मंशा नहीं है। उन्होंने कहा कि न्यूनतम

शुल्क देने में भी यदि जनता को परेशानी होगी तो उन्हें तीन बराबर किस्तों में अदा करने की व्यवस्था की गई है। सुदिव्य कुमार ने पूर्ववर्ती सरकार पर हमला करते हुए कहा की जिन राजनीतिक दलों ने शहरी क्षेत्र में रहने वाले जनता के नाम पर सर्वाधिक दिनों तक झारखंड में शासन किया उन्होंने नियमितीकरण के लिए काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य के समग्र विकास की अवधारणा के तहत शहरी क्षेत्र में मकान के नियमितीकरण की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में शहरी क्षेत्र के लोगों का भी लगाव मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति और अधिक बढ़ेगा। राज्य सरकार द्वारा अनियमित मकान के नियमितीकरण के लिए शुरू किए गए ऑनलाइन पोर्टल का फेडरेशन आफ झारखंड चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने स्वागत किया है। फेडरेशन के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने सरकार के इस कदम को ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने जन आकांक्षा और वर्तमान समय की जरूरत को देखते हुए इसे शुरू किया है। उन्होंने कहा कि नई व्यवस्था के तहत न्यूनतम शुल्क अदा करके मकान का नियमितीकरण किया जा सकता है। ऐसा होने से शहर का विकास तेज गति से होगा।

प्रहरी पहल की शुरूआत, अपराध नियंत्रण और सुरक्षा बढ़ाने के लिए पुलिस की नई रणनीति लागू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : जिले में अपराध नियंत्रण, अड्डेबाजी पर रोक, छेड़खानी की घटनाओं में कमी और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक रामगढ़ द्वारा गुरुवार को विशेष पहल ॖप्रहरीॖ की शुरूआत की गई है।इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना और पुलिस की दृश्यता बढ़ाना है।ॖप्रहरीॖ पहल के तहत पूरे जिले में संवेदनशील इलाकों में नियमित रूप से पैदल गश्ती की जाएगी।इसमें महिलाओं की सुरक्षा, अवैध पार्किंग पर रोक, अड्डेबाजी खत्म करने और ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।सभी थाना और ओपी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में सप्ताह में कम से कम दो दिन तय रूट पर गश्ती करेंगे।इसके लिए जिले में अब तक 76 मार्गों का चयन किया गया है।जिले में अड्डेबाजी और नशीले पदार्थों के सेवन पर रोक लगाने के लिए 114 स्थानों को चिन्हित किया गया है।इन स्थानों को 5 क्लस्टर में बांटकर छापामारी की जाएगी। पुलिस द्वारा अड्डेबाजी में शामिल लोगों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. आम लोग भी अड्डेबाजी की सूचना व्हाट्सएप नंबर 9262998529 पर दे सकते हैं।अपराध नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर जिले के 69 स्थानों पर एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।इन स्थानों को ए बी और सी प्लान में बांटा गया है और हर दिन कम से कम तीन बार चेकिंग की जाएगी। इस दौरान रैश ड्राइविंग, संदिग्ध गतिविधियों और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी।जरूरत पड़ने पर नगर परिषद, छावनी परिषद और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर इस अभियान को और प्रभावी बनाया जाएगा। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक और अन्य अधिकारी भी गश्ती और अभियान का नेतृत्व करेंगे।रामगढ़ पुलिस ने आम लोगों से ॖप्रहरीॖ पहल को सफल बनाने के लिए सहयोग करने की अपील की है।साथ ही इस पहल को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी व्हाट्सएप नंबर 9262998529 पर मांगे गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

तेज आंधी-तूफान से घर पर गिरा विशाल पेड़, मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त

गुरपा थाना क्षेत्र के गोली गांव की घटना, परिवार बाल-बाल बचा

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गुरपा थाना क्षेत्र के गोली गांव में बुधवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई। आंधी की चपेट में आने से गांव निवासी रामस्वरूप साव के घर पर एक विशाल पेड़ गिर पड़ा, जिससे उनका मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और परिवार के सदस्य सुरक्षित बच गए।जानकारी के अनुसार, देर रात अचानक तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान घर के समीप स्थित एक विशाल पेड़ जड़ समेत उखड़कर सीधे रामस्वरूप साव के मकान पर गिर गया। पेड़ गिरने की जोरदार आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। घटना के बाद गांव में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गुरुवार सुबह जब ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त मकान की स्थिति देखी तो लोगों ने इसे बड़ी दुर्घटना टलने की बात कही। ग्रामीणों के अनुसार यदि घटना के समय परिवार के सदस्य घर के किसी अन्य हिस्से में होते या बाहर निकल रहे होते, तो बड़ा हादसा हो सकता था।इधर, तेज आंधी के कारण क्षेत्र के कई स्थानों पर पेड़ गिरने और बिजली आपूर्ति प्रभावित होने की भी सूचना मिली है। घटना की जानकारी स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है। प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है।

आंधी-बारिश की मार से सब्जी फसल बर्बाद, किसानों की बढ़ी चिंता

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर क्षेत्र में हाल के दिनों में हुई तेज आंधी और लगातार बारिश ने सब्जी उत्पादक किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। बारिश से सब्जी के फसल को नुकसान पहुंचा है। मौसम की मार का सबसे अधिक असर खीरा और ककड़ी की फसलों पर पड़ा है। अत्यधिक नमी और बारिश के कारण खीरा-ककड़ी की लत्तियां झुलसने लगी हैं, जिससे फसल खराब होने की आशंका बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि मेहनत और लागत लगाने के बाद अब नुकसान का डर सताने लगा है। यदि मौसम का यही रुख बना रहा तो उत्पादन में भारी गिरावट आने के साथ किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

बिहार शरीफ- अस्थावां- किउल-भागलपुर के रास्ते राजगीर और हावड़ा के मध्य होगी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर(एजेंसी) : राजगीर में लगने वाले मलमास मेला के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा हेतु बिहार शरीफ-अस्थावां-बरबीघा-शेखपुरा-किउल-भागलपुर के रास्ते राजगीर और हावड़ा के मध्य एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन 03029/03030 के परिचालन का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है।

गाड़ी सं. 03029 हावड़ा- राजगीर स्पेशल दिनांक 16.05.2026 से 17.06.2026 तक प्रतिदिन हावड़ा से 22.50 बजे खुलकर अगले दिन 06.30 बजे भागलपुर, 09.20 बजे किउल, 09.32 बजे लखीसराय, 10.15 बजे शेखपुरा, 10.38 बजे सरसा जमालपुर, 10.50 बजे बरबीघा, 11.13 बजे अस्थावां, 11.35 बजे बिहार शरीफ एवं 12.20 बजे नालन्दा रूकते हुए 13.00 बजे राजगीर पहुंचेगी । गाड़ी सं. 03030 राजगीर-हावड़ा स्पेशल दिनांक 17.05.2026 से 18.06.2026 तक प्रतिदिन राजगीर से 14.00 बजे खुलकर 14.15 बजे नालन्दा, 14.35 बजे बिहार शरीफ, 15.25 बजे अस्थावां, 15.45 बजे बरबीघा, 15.55 बजे सरसा जमालपुर, 16.15 बजे शेखपुरा, 16.45 बजे लखीसराय, 17.20 बजे किउल, 19.45 बजे भागलपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए अगले दिन 04.30 बजे हावड़ा पहुंचेगी ।इस स्पेशल में शयनयान श्रेणी के 04 कोच, साधारण श्रेणी के 08 कोच तथा एसएलआर के 02 कोच सहित कुल 14 होंगे ।

गया जंक्शन पर आरपीएफ ने साइकिल गश्ती अभियान से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

गया जी(एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर रेलवे आरपीएफ की टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डीजल-पेट्रोल की बचत और वाहनों के कम उपयोग के आह्वान को आत्मसात करते हुए एक सकारात्मक पहल की शुरूआत की है। आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव के नेतृत्व में दर्जनभर जवान साइकिल पर सवार होकर रेलवे क्षेत्र में गश्ती अभियान पर निकले। इस अभियान का उद्देश्य न केवल सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत के प्रति लोगों को जागरूक करना भी है। गुरुवार को आरपीएफ की टीम ने गया जंक्शन परिसर, रेलवे यार्ड, फल्गु रेल पुल, बागेश्वरी रेल फाटक, हिंडले रोड और धनियां बगीचा सहित विभिन्न रेल क्षेत्रों में साइकिल से पेट्रोलिंग की। जवानों को साइकिल से गश्ती करते देख यात्रियों और स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना की। आरपीएफ अधिकारियों का मानना है कि छोटी दूरी के लिए साइकिल का उपयोग ईंधन की बचत के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है।पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार तथा डीडीयू रेल मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त दिनेश सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संदेश को सफल बनाने के लिए सभी सुरक्षा कर्मियों को जागरूक और सक्रिय रहने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी कार्यों में जहां संभव हो वहां कम ईंधन वाले संसाधनों और वैकल्पिक साधनों का उपयोग बढ़ाया जाए।आरपीएफ की यह पहल सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में भी सहायक साबित होगी। साइकिल से गश्ती करने पर जवान रेलवे के संवेदनशील क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच पा रहे हैं। साथ ही यह अभियान आम लोगों के बीच पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और ईंधन बचत का सकारात्मक संदेश भी पहुंचा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल की इस अनूठी पहल की विभिन्न सामाजिक संगठनों और यात्रियों द्वारा सराहना की जा रही है।

उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सुपौल पहुंचे विजेंद्र प्रसाद यादव, ऊर्जा सरक्षण का दिया संदेश

सुपौल, (एजेंसी) : बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव गुरुवार को उपमुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार अपने गृह जिला और जन्मस्थली सुपौल पहुंचे। निर्मली स्थित कोसी निरीक्षण भवन में उनके आगमन पर एनडीए कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया।

उनके स्वागत को लेकर पूरे इलाके में उत्साह का माहौल देखा गया। निर्मली पहुंचने के बाद उपमुख्यमंत्री ने लोगो से मुलाकात की और ऊर्जा संरक्षण को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया।उन्होंने कहा कि बिजली और ईंधन की अनावश्यक खपत रोकना आज की बड़ी जरूरत है। अगर लोग छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दें तो काफी हद तक ऊर्जा की बचत की जा सकती है। दौरे के दौरान उन्होंने निरीक्षण भवन में दिन के समय जल रहे एलईडी बल्ब और चल रहे पंखों को बंद करवाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिना जरूरत बिजली खर्च करना सही नहीं है और सभी लोगों को ऊर्जा बचत की आदत अपनानी चाहिए। साथ ही पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने के प्रति भी लोगों को जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम में एनडीए घटक दलों के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। मौके पर सुपौल सांसद दिलेश्वर कामैत, निर्मली विधायक अनिरुद्ध प्रसाद यादव, लौकहा विधायक सतीश कुमार साह, पूर्व एमएलसी हारून रशीद, जिला परिषद सदस्य विनोद कुमार साह और नगर पंचायत निर्मली के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि जगर्नाथ कामत समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक हलचल भी तेज रही। अपने गृह जिले पहुंचने पर उन्होंने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और सरकारी संसाधनों के संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने की अपील की।

मंत्री डॉ रामचंद्र प्रसाद ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक

हरित आवरण बढ़ाने पर दिया जोर

पटना(एजेंसी) : पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डॉ रामचंद्र प्रसाद ने गुरूवार को विभागीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान विभाग के वरीय पदाधिकारियों ने पीपीटी के माध्यम से विभागीय कार्यों, योजनाओं तथा उपलब्धियों की जानकारी मंत्री को दी। मंत्री ने विभागीय कार्यों की विस्तार से जानकारी प्राप्त करते हुए विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की तथा पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए। इस अवसर पर माननीय मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने कहा कि बंटवारे के समय बिहार में हरित आवरण मात्र 7 प्रतिशत के करीब था। अब बिहार में हरित आवरण बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है। इसे जल्द ही 17 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य है। विभाग इसके लिए बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर रहा है और इसमें भागीदारी निभाने के लिए आम लोगों से अपील भी कर रहा है। इसके साथ ही हरित क्षेत्र को बढ़ाने तथा ईको टूरिज्म को विकसित करने के लिए सरकार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में विभाग महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। मंत्री ने ईको टूरिज्म को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना भी की। बैठक में पीसीसीएफ (हॉफ) अरविंदर सिंह, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा) सुरेन्द्र सिंह, सीसीएफ, एचआरडी अमित कुमार, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, बिहार ईको टूरिज्म विकास सोसायटी, के. नेशामणी, वन संरक्षक (मुख्यालय) सत्यजीत कुमार, उप सचिव, धर्मेश कुमार उपस्थित थे।

तेज आंधी से उखड़ा गया जंक्शन भवन का शिलिंग, मचीं अफरातफरी

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन के डेल्हा साइड स्थित भवन में बुधवार की रात तेज आंधी के दौरान फॉल्स शिलिंग का एक हिस्सा उखड़कर नीचे गिर गया। घटना के समय स्टेशन परिसर में यात्रियों की आवाजाही जारी थी। अचानक फॉल्स शिलिंग प्लेट गिरने से वहां अफरातफरी की स्थिति बन गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई यात्री घायल नहीं हुआ और लोग बाल-बाल बच गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रात में अचानक तेज हवा चलने लगी जिसके बाद भवन के सामने लगे फॉल्स शिलिंग का हिस्सा हवा के दबाव को नहीं झेल सका और टूटकर नीचे आ गिरा। प्लेट गिरते ही आसपास मौजूद यात्री और रेलवे कर्मी घबरा गए तथा कुछ देर के लिए वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। बाद में रेलवे कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र को सुरक्षित कराया।

रेलवे सूत्रों के अनुसार भवन का सामने वाला हिस्सा अपेक्षाकृत अधिक ऊंचा होने के कारण तेज हवा का दबाव सीधे फॉल्स शिलिंग पर पड़ा। पुराने मैपिंग कंस्ट्रक्शन डिजाइन के कारण यह हिस्सा तेज झोंकों को सहन नहीं कर पाया। इसी वजह से फॉल्स शिलिंग प्लेट उखड़कर नीचे गिर गई।घटना के बाद रेल निर्माण विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त हिस्से का निरीक्षण किया। विभाग ने नए सिरे से मरम्मत और मजबूतीकरण का कार्य शुरू कर दिया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए भवन के अन्य हिस्सों की भी जांच कराई जाएगी। स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता भी बढ़ा दी गई है। इधर

कंट्रक्शन एजेंसी के जीएम बीके सिंह ने बताया कि तेज आंधी के कारण गया जंक्शन के डेल्हा साइड भवन में फॉल्स शिलिंग का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है जिसे तुरंत सुरक्षा कारणों से हटा दिया गया है। घटना के तुरंत बाद तकनीकी टीम ने स्थल का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया है। पहले से रेलवे द्वारा निर्मित भवन की सर्वाधिक ऊंचाई के कारण हवा का दवाब बढ़ गया। अब इसकी ऊंचाई को कम कर पुनर्निर्माण किया जा रहा है। पूरे क्षेत्र की संरचनात्मक मजबूती की दोबारा जांच की जा रही है। जल्द ही सभी आवश्यक सुधार कार्य पूरा कर स्टेशन को पूरी तरह सुरक्षित बना दिया जाएगा।

बुलकी देवी हत्याकांड में पुलिस ने कसा शिकंजा, 12 आरोपी गिरफ्तार

घटना के तीसरे दिन हत्या मामले में 10 व हत्या के प्रयास मामले में 2 आरोपी दबोचे गए

हत्या मामले में एक व हत्या के प्रयास मामले में 12 आरोपी अब भी फरार

डायन बताकर महिला की पीट-पीटकर हत्या, घायल महिला का पीएमसीएच में इलाज जारी

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के रामनगर मांझी टोला में बुलकी देवी की हत्या मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को 12 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें हत्या मामले के 10 नामजद आरोपी और हत्या के प्रयास मामले के दो नामजद आरोपी शामिल हैं। घटना के तीसरे दिन पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से मामले में जांच तेज हो गई है, जबकि फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर लगातार छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान हत्या मामले में विकास कुमार, पप्पू कुमार, अमन कुमार, रंजीत चौधरी, राजा कुमार, गोगला कुमार, धोनी कुमार, दिलखुश कुमार, गुद्दा कुमार और प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया गया। वहीं मनोरमा देवी की हत्या के प्रयास मामले में महेंद्र मांझी और प्रकाश मांझी को भी पुलिस ने दबोच लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से थाना में गहन पूछताछ की जा रही है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। हत्या मामले में एक आरोपी तथा हत्या के प्रयास मामले में 12 आरोपी अभी भी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि सोमवार रात रामनगर मांझी टोला में गांव के कुछ लोगों ने बुलकी देवी पर डायन होने का आरोप लगाकर उनकी बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी थी। वहीं मनोरमा देवी को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया गया था। घायल महिला का इलाज पीएमसीएच पटना में चल रहा है, जहां उनकी हालत अभी भी चिंताजनक बताई जा रही है। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार, एसआई संदीप कुमार, एसआई अमरेंद्र कुमार, एएसआई मनोज कुमार, एएसआई चंदन कुमार, पीएसआई शिवपूजन कुमार सिंह के साथ पुलिस बल शामिल थे।

नालंदा कॉलेज पहुंचे कुलपति ने देर से आने वाले शिक्षकों को लगाई फटकार

नालंदा, बिहारशरीफ (एजेंसी) : पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उपेंद्र प्रसाद सिंह ने गुरुवार को नालंदा कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। सुबह लगभग दस बजे कुलपति के अचानक महाविद्यालय पहुंचने से परिसर में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था, प्रशासनिक कार्यप्रणाली, विभागीय गतिविधियों तथा शिक्षकों की उपस्थिति का गहन जायजा लिया।कुलपति ने विभिन्न विभागों में जाकर विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों से शैक्षणिक गतिविधियों, कक्षाओं के नियमित संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा पठन-पाठन की गुणवत्ता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान समय से अनुपस्थित रहने वाले कुछ शिक्षकों को उन्होंने फटकार भी लगाई और नियमित रूप से समय पर उपस्थित होकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का निर्देश दिया।इस दौरान कुलपति विशेष रूप से बीएड विभाग पहुंचे, जहां उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने लगभग 15 से 20 मिनट तक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा के बदलते स्वरूप, आधुनिक शिक्षण पद्धति तथा शिक्षक की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आज का शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज निर्माण की आधारशिला होता है।अपने प्रेरणादायी संबोधन में कुलपति ने विद्यार्थियों को केवल परीक्षा पास करने तक सीमित नहीं रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि निरंतर अध्ययन, ज्ञानार्जन और आत्मविकास ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जिन युवाओं का लक्ष्य स्पष्ट होता है, वे कठिन परिस्थितियों में भी सफलता प्राप्त कर लेते हैं।कुलपति ने समय प्रबंधन के महत्व पर बल देते हुए विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन करने, सकारात्मक सोच विकसित करने तथा अनुशासित जीवन अपनाने की अपील की।

दरभंगा एयरपोर्ट को इंटरनेशनल बनाने की तैयारी तेज : सम्राट चौधरी

दरभंगा , (एजेंसी) : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की है कि दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एयरपोर्ट बनाने की दिशा में सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के उद्घाटन के दौरान इसका नाम मिथिला महाकवि बाबा विद्यापति के नाम पर रखने का भी प्रयास किया जाएगा। इस संबंध में अगले सप्ताह उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें केंद्र सरकार की टीम भी शामिल होगी।दरभंगा एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उकसब) को सौंपे जाने के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में हवाई यात्रा करने वालों की संख्या में पिछले वर्षों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2005 में जहां लगभग ढाई लाख लोग हवाई यात्रा करते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर करीब 50 लाख तक पहुंच चुकी है। सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में बिहार के चार से पांच करोड़ लोगों को हवाई यात्रा से जोड़ना है।उन्होंने कहा कि राज्य में एयर कनेक्टिविटी का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है। मुजफ्फरपुर, रक्सौल, सहरसा और वीरपुर एयरपोर्ट के टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि पूर्णिया एयरपोर्ट का संचालन प्रारंभ हो गया है। इसके अलावा मुंगेर, भागलपुर और बेगूसराय में भी एयरपोर्ट विकसित किए जाएंगे। जिन क्षेत्रों में एयरपोर्ट निर्माण संभव नहीं होगा, वहां आधुनिक हेलीपैड विकसित कर हेलीकॉप्टर सेवाओं को सुचारु बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सड़क, रेल और हवाई संपर्क व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि इन नेताओं ने बिहार की टूटी हुई कनेक्टिविटी को जोड़ने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एयरपोर्ट, एम्स और लॉजिस्टिक पार्क जैसी परियोजनाओं के लिए भूमि उपलब्ध कराकर विकास को गति दी है।एम्स निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा लगभग 400 करोड़ रुपये तथा केंद्र सरकार द्वारा करीब 800 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 1200 करोड़ रुपये की राशि पहले ही स्वीकृत की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि अशोक पेपर मिल क्षेत्र में नए उद्योग स्थापित करने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस आग्रह का भी उल्लेख किया, जिसमें वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए छोटे कार्यक्रम आयोजित करने तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रशासनिक खर्च कम करने की बात कही गई है।

इंजन में तकनीकी खराबी से अटकी भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

पहाड़पुर स्टेशन के एडवांस सिग्नल पर 10 मिनट तक रुकी रही ट्रेन

पीछे आ रही हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी भी 7 मिनट तक प्रभावित

खराबी दूर होने के बाद सामान्य हुआ गया-कोडरमा रेलखंड पर परिचालन

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : गया- कोडरमा रेलखंड पर बुधवार रात भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के इंजन में तकनीकी खराबी आने से कुछ समय के लिए रेल परिचालन प्रभावित हो गया। तकनीकी समस्या के कारण ट्रेन को पहाड़पुर स्टेशन के एडवांस सिग्नल के पास रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों के बीच कुछ देर के लिए हलचल की स्थिति बनी रही।मिली जानकारी के अनुसार, इंजन में आई खराबी के कारण राजधानी एक्सप्रेस रात 9:55 बजे से 10:05 बजे तक करीब 10 मिनट तक एडवांस सिग्नल पर खड़ी रही। इस दौरान सुरक्षा और परिचालन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रेलवे कर्मी तत्काल समस्या के समाधान में जुट गए। इस घटना का असर पीछे से आ रही हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस पर भी पड़ा, जिसे पहाड़पुर होम सिग्नल पर लगभग सात मिनट तक रोकना पड़ा। हालांकि ट्रेन के चालक ने समय रहते इंजन की खराबी को दुरुस्त कर लिया, जिसके बाद भुवनेश्वर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस को आगे के लिए रवाना किया गया और रेल परिचालन फिर से सामान्य हो गया। इधर, रात में अचानक दो-दो राजधानी एक्सप्रेस के रुक जाने के बाद आरपीएफ हरकत में आ गई। निरीक्षक प्रभारी दीपक कुमार के निर्देश पर आरपीएफ जवान तत्काल एडवांस सिग्नलऔर होम सिग्नल पर पहुंच गए और राजधानी एक्सप्रेस को अपने सुरक्षा घेरे में ले लिया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए तकनीकी समस्या का त्वरित समाधान किया गया, जिससे अधिक देर तक परिचालन प्रभावित नहीं हुआ।

संपादकीय

केरल के मुख्यमंत्री का चयन 10 दिन में

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद सबसे अधिक चर्चा जिस मुद्दे को लेकर हुई, वह केवल जीत-हार तक सीमित नहीं रही, बल्कि कांग्रेस संगठन की कार्यप्रणाली और नेतृत्व क्षमता भी बहस के केंद्र में आ गई। विशेष रूप से केरल में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) को स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री के चयन में दस दिन का समय लगना राजनीतिक हलकों में चर्चा और आलोचना का विषय बन गया। गौरतलब है कि 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे और कांग्रेस के पास सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या थी। बावजूद इसके पार्टी मुख्यमंत्री के नाम पर जल्दी निर्णय नहीं ले सकी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को विधायक दल के नेता के चयन का अधिकार पहले ही दे दिया गया था। उन्होंने विधायकों और वरिष्ठ नेताओं से चर्चा भी की, लेकिन आम सहमति नहीं बन सकी। अंततः पार्टी को जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, दीपा दासमुंसी और अजय माखन जैसे वरिष्ठ नेताओं को केरल भेजना पड़ा। दो दिन की मशक्कत के बाद वीडी सतीशन के नाम पर सहमति बनी और उनके मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ। यह स्थिति उस पार्टी के लिए निश्चित रूप से चिंताजनक मानी जाएगी, जो कभी देश की सबसे मजबूत राजनीतिक शक्ति थी। केरल जैसे राज्य, जहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का सीधा राजनीतिक जुड़ाव रहा है, वहां भी नेतृत्व चयन को लेकर इतना लंबा गतिरोध कांग्रेस की आंतरिक स्थिति को उजागर करता है। विडंबना यह रही कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और यूडीएफ के कई सहयोगी दल पहले ही वीडी सतीशन के समर्थन में खुलकर सामने आ चुके थे। सतीशन लंबे समय से कांग्रेस संगठन में सक्रिय रहे हैं और उन्हें जमीनी नेता माना जाता है। इसके बावजूद कांग्रेस के भीतर शक्ति संतुलन और गुटबाजी इतनी मजबूत रही कि निर्णय लेने में पार्टी नेतृत्व को अत्यधिक समय लग गया। दरअसल, कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत ही आज उसकी कमजोरी बनती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर लोकतांत्रि??क माहौल होने के कारण हर नेता अपनी बात खुलकर रखने और अपने हित साधने की कोशिश करता है। यदि उसकी बात नहीं मानी जाती तो कई बार वह पार्टी छोड़कर क्षेत्रीय दल बना लेता है या भाजपा में शामिल हो जाता है। कांग्रेस के केंद्र में सत्ता से बाहर होने के बाद यह प्रवृत्ति और तेज हुई है। आज कांग्रेस जिन राज्यों में मजबूत दिखाई देती है, वहां भी आंतरिक खींचतान उसके लिए चुनौती बनी हुई है।

बिना उत्साह के आज तक कोई भी महान उपलब्धि पाई नहीं जा सकी है।
: राल्फ वाल्डो एमर्सन

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी।
: एबिगैल वैन ब्यूरेन

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम : सोना बचत और वर्क फ्रॉम होम का संदेश

हाल ही में हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने, वर्क फ्रॉम होम(जैसा कि हमने कोविड काल के दौरान इसे अमल में लाया था) जैसे उपाय अपनाने तथा एक वर्ष तक गैर-जरूरी सोना नहीं खरीदने की अपील की है। वास्तव में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह अपील पश्चिम एशिया संकट, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बढ़ते दबाव के संदर्भ में की गई है। पिछले कुछ समय से हमारे देश के साथ ही साथ पूरे विश्व ने पश्चिम एशिया संकट का सामना किया। मसलन, युद्ध के कारण पूरे विश्व में खाद्य पदार्थों में जहां एक ओर महंगाई का सामना करना पड़ा, वहीं दूसरी ओर तेल-गैस संकट के बादल भी मंडराए। गैस के लिए लंबी-लंबी कतारें हमें हर कहीं पर देखने को मिलीं,कई स्थानों पर तो तेल के लिए भी कमोबेश यही स्थिति देखने को मिली। इस क्रम में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का अधिकांश कच्चा तेल और बड़ी मात्रा में सोना आयात करता है। ऐसे में पेट्रोल-डीजल और सोने पर अधिक खर्च से विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ता है तथा व्यापार घाटा भी बढ़ सकता है। इसलिए हमें यह चाहिए कि हम हर क्षेत्र में बचत को महत्व दें। वास्तव में मनुष्य के जीवन में बचत का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। बचत केवल हमारे अर्थ(धन) को ही सुरक्षित रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारे भविष्य की सुरक्षा, हमारी आत्मनिर्भरता और संतुलित जीवन का आधार भी बनता है। हमें यह याद रखना चाहिए कि मनुष्य के जीवन में कभी भी अचानक बीमारी, आर्थिक संकट, बेरोजगारी या अन्य कठिन परिस्थितियाँ आ सकती हैं। ऐसे समय में बचत ही मनुष्य का सबसे बड़ा सहारा बनती है। यही कारण है कि कहा जाता है- बूंद-बूंद से घड़ा भरता है। छोटी-छोटी बचतें भविष्य में बड़ी शक्ति बन जाती हैं।हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में बचत की परंपरा प्राचीन काल से रही है। कहना गलत नहीं होगा कि हमारे यहां तो लोग सदैव सादा जीवन, उच्च विचार और विवेकपूर्ण खर्च को महत्व देते आए हैं। प्राचीन काल गांवों में लोग अनाज, घी, धन और अन्य आवश्यक वस्तुओं का संग्रह करके रखते थे, ताकि कठिन समय में परिवार सुरक्षित रह सके। गृहिणियाँ भी घर के खर्च से थोड़ा-थोड़ा बचाकर भविष्य के लिए संचित करती थीं। यही पारिवारिक बचत भारतीय समाज की आर्थिक मजबूती का आधार रही है।हमारे बुजुर्ग हमेशा यह शिक्षा देते थे कि आय से कम खर्च करना चाहिए और अनावश्यक दिखावे से बचना चाहिए। भारतीय परिवारों में बच्चों को भी छोटी उम्र से ही गुल्लक में पैसे जमा करने की आदत डाली जाती रही है। यह केवल आर्थिक शिक्षा नहीं, बल्कि संयम और दूरदर्शिता का संस्कार भी है। बहरहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि बचत की प्रेरणा हमें चींटियों से लेनी चाहिए। वास्तव में, चींटियां हमें बचत, परिश्रम और दूरदर्शिता की अद्भुत प्रेरणा देती हैं। छोटी-सी दिखाई देने वाली चींटी अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए निरंतर मेहनत करती रहती है। वह अनुकूल समय में भोजन के छोटे-छोटे कण इकट्ठा करके अपने बिल में जमा करती है, ताकि विपरीत परिस्थितियों में उसे कठिनाई न हो। यही कारण भी है कि चींटी को बचत और अनुशासन का प्रतीक माना जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि थोड़ी-थोड़ी बचत भविष्य में बड़े संकटों से बचा सकती है। जिस प्रकार चींटी कभी आलस्य नहीं करती और लगातार अपने लक्ष्य में लगी रहती है, उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में परिश्रम, संयम और बचत की आदत अपनानी चाहिए। चींटियां यह संदेश देती हैं कि भविष्य की चिंता केवल सोचने से नहीं, बल्कि आज से तैयारी करने से दूर होती है। उनका जीवन हमें सिखाता है कि छोटी कोशिशें और छोटी बचतें ही आगे चलकर बड़ी ताकत बनती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि चींटियां केवल प्रकृति का जीव नहीं, बल्कि जीवन प्रबंधन की एक महान शिक्षक भी हैं।आज उपभोक्तावाद और दिखावे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण बचत की आदत कमजोर होती जा रही है, जबकि वर्तमान समय में इसकी आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। बचत व्यक्ति को आत्मविश्वास देती है और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाती है। इसलिए हमें अपनी पुरानी परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए बचत को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से सार्वजनिक परिवहन, कारपूलिंग, इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग और लोकल फॉर वोकल को बढ़ावा देने की भी अपील की। साथ ही विदेश यात्राओं, डेस्टिनेशन वेडिंग और गैर-जरूरी खर्चों को टालने का आग्रह किया।लोकल फॉर वोकल से देश का पैसा देश में ही रहेगा और देश और अधिक आर्थिक तरक्की तथा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगा। हाल फिलहाल, प्रधानमंत्री की यह अपील आर्थिक अनुशासन, विदेशी मुद्रा संरक्षण और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। आज हम अनावश्यक खर्च करते हैं। हम संसाधनों का सही व विवेकपूर्ण इस्तेमाल करें और जहां तक हो सके बचत को जीवन में अपनाएं। वास्तव में प्रधानमंत्री की यह कटौती की नहीं, बल्कि स्मार्ट लाइफ स्टाइल की सलाह है, और हम मिलकर ये सब आसानी से कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि समझदारी से खर्च बनेगा देश के लिए आर्थिक रूप से बहुत ही सहायक सिद्ध हो सकता है। वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार यह नहीं कह रहे कि कोई संकट है, जिसमें हमें खर्च घटाने हैं, बल्कि उन्होंने तो यह अपील की हैं कि युद्ध के इस दौर में हमें ऐसे खर्च कम करने हैं, जिससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत हो सके। हम स्मार्ट लाइफ स्टाइल अपनाकर इस बबार्दी को रोक सकते हैं, ताकि देश के सामने आर्थिक संकट न आए।कोविड काल में हमने बचत के बड़े उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। मसलन, घर से कामकाज किया, तेल की बचत हुई, पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिली।हमारी उत्पादकता (प्रोडेक्टिविटी) में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी देखने को मिली। जब संकट आए तब ही हम बचत क्यों करें, जीवन के हर पलों में हमें बचत करनी चाहिए, ताकि कभी कोई संटक आए ही नहीं।पीएम ने वर्क फ्रॉम होम की सलाह दी है, जो संसाधनों की बचत के साथ आर्थिक नजरिये से भी फायदेमंद है। ऐसे ऑर्गनाइजेशन जहां, 100-200 या ज्यादा स्टाफ है, वहां लोगों को वर्क फ्रॉम होम या हाइब्रिड मॉडल में काम की सुविधा दी गई तो तेल का खर्च बचेगा। यात्रा की थकान कम होगी और प्रोडक्टिविटी भी बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग से बचने और गैर-जरूरी विदेश यात्रा टालने को कहा है। आंकड़े बताते हैं कि देश की तुलना में विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग में 30-36% तक ज्यादा खर्च होता है। इसमें देश का बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भंडार खर्च होता है। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार अभी भारत की हर 100 डेस्टिनेशन वेडिंग में 15 विदेश में होती है। भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए राजस्थान, उत्तराखंड, गुजरात, गोवा, हिमाचल और कश्मीर जैसी कई जगहें हैं, जिनका चुनाव किया जा सकता है। आज इलेक्ट्रिक गाड़ी सबसे प्रभावी विकल्प है,बचत का। इससे पाल्यूशन भी नहीं होता,तेल की भी बचत होती है।सरल शब्दों में कहें तो इलैक्ट्रिक व्हीकल (ई-व्हीकल) पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ये वाहन पेट्रोल-डीजल की तुलना में कम प्रदूषण फैलाते हैं, जिससे वायु गुणवत्ता बेहतर होती है। ई-व्हीकल चलाने में खर्च भी कम आता है, क्योंकि बिजली की लागत ईंधन से सस्ती होती है। इसके अलावा, ध्वनि प्रदूषण भी कम होता है और देश की तेल पर निर्भरता घटती है। आधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन ऊर्जा संरक्षण और स्वच्छ भविष्य के लिए उपयोगी साबित हो रहे हैं। आज केमिकल खाद के स्थान पर जैविक खाद का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद सिद्ध हो सकता है। इससे धन की भी बचत होगी तथा स्वास्थ्य के भी फायदे होंगे। वास्तव में केमिकल खाद का कम उपयोग करने के लिए सॉइल मैपिंग और सॉइल हेल्थ कार्ड बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

सुनील कुमार महला

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैश्विक संकटों के दौर में परिवार ही रिश्तों की अंतिम शरणस्थली

हर वर्ष 15 मई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस एक मानवीय रिश्तों का उत्सव ही नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को उसकी जड़ों की याद दिलाने का अवसर है। यह दिन हमें बताता है कि दुनिया चाहे कितनी भी आधुनिक, तकनीकी और आर्थिक रूप से विकसित क्यों न हो जाए, मनुष्य की सबसे पहली जरूरत आज भी परिवार ही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस इस वर्ष विशेष रूप से इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पूरी दुनिया बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, युद्ध, हिंसा, मानसिक तनाव, अकेलेपन और टूटते मानवीय विश्वासों के संकट से गुजर रही है। ऐसे कठिन समय में परिवार केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि मनुष्य के अस्तित्व, सुरक्षा, संस्कार और संवेदनाओं की सबसे मजबूत छत बनकर सामने आता है।

आज दुनिया का सबसे बड़ा संकट आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक संकट है। बाजार की चकाचौंध ने आदमी को उपभोक्ता तो बना दिया, लेकिन संवेदनशील इंसान नहीं बना सकी। संबंधों में स्वार्थ का प्रवेश हुआ है। विश्वास की जगह संदेह ने ले ली है। आदमी मशीनों से जुड़ रहा है, लेकिन अपनों से कटता जा रहा है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जा रहे, वे परिवारों के भीतर भी दिखाई देने लगे हैंकृपति-पत्नी के बीच, पीढ़ियों के बीच, भाई-भाई के बीच। संवाद टूट रहे हैं, सहनशीलता घट रही है और ह्यमैंह्ल का अहंकार ह्यहमह्ल की भावना को निगलता जा रहा है। ऐसी परिस्थितियों में परिवार की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं है, वह जीवन-मूल्यों का विद्यालय है। वहीं मनुष्य पहली बार प्रेम सीखता है, त्याग सीखता है, सहयोग, अनुशासन, धैर्य और सह-अस्तित्व की भावना सीखता है। यदि परिवार स्वस्थ है तो समाज स्वस्थ होगा, समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र और विश्व भी संतुलित रहेंगे। इसलिए आज आवश्यकता केवल परिवार बचाने की नहीं, बल्कि परिवारों को मूल्यनिष्ठ बनाने की है।

आज जब महंगाई लगातार बढ़ रही है, जीवन की आवश्यकताएं महंगी होती जा रही हैं और बेरोजगारी युवाओं के सपनों को तोड़ रही है, तब संयुक्त परिवार की अवधारणा फिर प्रासंगिक बनती दिखाई दे रही है। संयुक्त परिवार केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि भावनात्मक सुरक्षा का भी आधार है। वहां संसाधनों का साझा उपयोग होता है, जिम्मेदारियां बांटी जाती हैं और संकट अकेले व्यक्ति पर नहीं टूटता। अकेलेपन से उपजी अवसाद की समस्याएं संयुक्त परिवारों में अपेक्षाकृत कम दिखाई देती हैं क्योंकि वहां संवाद और अपनापन जीवित रहता है। वास्तव में आधुनिक सभ्यता ने स्वतंत्रता तो दी, लेकिन उस स्वतंत्रता ने कई बार व्यक्ति को संबंध-विहीन भी बना दिया। महानगरों के छोटे-छोटे फ्लैटों में रहने वाले हजारों लोग आर्थिक रूप से संपन्न होकर भी भीतर से बेहद अकेले हैं। वृद्ध माता-पिता उपेक्षा के शिकार हैं, बच्चे संस्कारों से दूर हो रहे हैं और पति-पत्नी के बीच संबंधों की ऊष्मा कम होती जा रही है। यही कारण है कि मानसिक रोग, तनाव, असुरक्षा और आत्महत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, परिवार संस्था के कमजोर पड़ने का संकेत है।आज आवश्यकता इस बात की है कि परिवार को केवल उपभोग और सुविधा का केंद्र न बनाकर उसे ह्लअहिंसा की प्रयोगशालाह्व बनाया जाए। अहिंसा का अर्थ केवल किसी को शारीरिक चोट न पहुंचाना नहीं है। कठोर शब्दों से बचना, अपमान न करना, एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करना, क्रोध पर संयम रखना, संवाद बनाए रखना और क्षमा का अभ्यास करना भी अहिंसा है। यदि परिवार के भीतर हिंसक भाषा, कटुता, अपमान और असहिष्णुता होगी तो समाज में शांति की कल्पना कैसे की जा सकती है? परिवार वह पहला स्थान होना चाहिए जहां बच्चा सहिष्णुता और करुणा का पाठ सीखे। जहां उसे यह सिखाया जाए कि जीवन प्रतियोगिता नहीं, सह-अस्तित्व है। जहां बुजुर्ग बोझ नहीं, अनुभवों की धरोहर माने जाएं। जहां स्त्री को सम्मान मिले, बच्चों को संस्कार मिले और युवाओं को विश्वास मिले। आज दुनिया में बढ़ती हिंसा का एक बड़ा कारण यह भी है कि परिवारों में संवाद और संवेदना कमजोर हो रही है। बच्चे मोबाइल से बातें कर रहे हैं, लेकिन माता-पिता से नहीं। परिवार साथ रहते हुए भी भीतर से बिखर रहा है। जलवायु परिवर्तन, युद्ध और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को असुरक्षित बना दिया है। यूक्रेन-रूस युद्ध हो या पश्चिम एशिया के संघर्ष, इन सबका सबसे अधिक प्रभाव परिवारों पर ही पड़ता है। लाखों लोग विस्थापित हो जाते हैं, बच्चे अनाथ हो जाते हैं और महिलाएं असुरक्षा का सामना करती हैं। इन वैश्विक संकटों के बीच परिवार ही वह इकाई है जो टूटे हुए मनुष्य को फिर जीने का साहस देती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र इस वर्ष परिवार-केंद्रित नीतियों पर विशेष बल दे रहा है। क्योंकि सतत विकास केवल आर्थिक विकास से संभव नहीं, बल्कि मजबूत और मूल्यनिष्ठ परिवारों से ही संभव है।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति भी उसका परिवार तंत्र रहा है। यहां परिवार केवल सामाजिक व्यवस्था नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था है। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य केवल युद्ध कथाएं नहीं, बल्कि पारिवारिक मूल्यों, संबंधों, कर्तव्यों और त्याग की महान गाथाएं हैं। भारतीय जीवनदृष्टि ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व की बात करती हैकृअर्थात पूरी पृथ्वी ही परिवार है। यदि इस भावना को व्यवहार में उतारा जाए तो युद्ध, हिंसा, आतंक और घृणा की कोई जगह नहीं बचेगी। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज परिवारों में भी उपभोक्तावादी संस्कृति प्रवेश कर चुकी है। रिश्तों को भी लाभ-हानि के तराजू पर तौला जाने लगा है। सहनशीलता कम हो रही है और अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। छोटी-छोटी बातों पर टूटते संबंध इस बात का संकेत हैं कि हमने सुविधा तो बढ़ाई, लेकिन संवेदना खो दी। जबकि परिवार की असली ताकत संपत्ति नहीं, बल्कि विश्वास होता है। जहां विश्वास बचा रहता है, वहां अभाव भी उत्सव बन जाते हैं; और जहां विश्वास टूट जाता है, वहां वैभव भी बोझ बन जाता है।

आज परिवारों को नई दिशा देने की आवश्यकता है। घरों में सामूहिक भोजन की परंपरा लौटे, संवाद का समय तय हो, बुजुर्गों के अनुभवों को महत्व मिले, बच्चों को केवल करियर नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की शिक्षा मिले। परिवारों में क्रोध के स्थान पर करुणा, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर सहयोग और अधिकार के स्थान पर कर्तव्य की भावना विकसित करनी होगी। यही परिवार को अहिंसा की प्रयोगशाला बना सकता है। दरअसल, भविष्य की सबसे बड़ी लड़ाई हथियारों की नहीं, मूल्यों की होगी। जिस समाज के परिवार टूट जाएंगे, वहां सामाजिक स्थिरता भी नहीं बचेगी। इसलिए अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। हमें सोचना होगा कि हम अपने बच्चों को कैसी दुनिया देना चाहते हैंकृघृणा और अकेलेपन की दुनिया या प्रेम और विश्वास की दुनिया? यदि परिवारों में प्रेम, संवाद, सहिष्णुता, अहिंसा और साझेदारी का वातावरण बनेगा तो दुनिया के बड़े से बड़े संकटों का सामना किया जा सकता है।

ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

दैनिक पंचांग

15 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	मेष में
मंगल	मेष में
बुध	वृष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मिथुन में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	05.23 बजे से
मिथुन	07.21 बजे से
कर्क	09.34 बजे से
सिंह	11.51 बजे से
कन्या	14.03 बजे से
तुला	16.13 बजे से
वृश्चिक	18.28 ब.से
धनु	20.44 बजे से
मकर	22.49 बजे से
कुंभ	00.36 बजे से
मीन	02.08 बजे से
मेष	03.39 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 135 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 08.32 बजे तदनन्तर चतुर्दशी 05.12 बजे प्रातः को समाप्त। **नक्षत्र** अश्विनी 20.15 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 14.21 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 08.32 बजे, विष्टि 18.55 बजे तदनन्तर शकुनि 05.12 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872710 **जूलियन दिन** 2461175.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 27 **विशेष** मासिक शिवरात्रि, विश्व परिवार दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7512

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7511 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

पेपर लीक - लचर न्याय प्रक्रिया के साइड इफेक्ट

एक बार फिर नीट यूजी परीक्षा रद्द कर दी गई। पिछले दस सालों में यह चौथा मौका है जब देश की सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षाओं में से एक नीट यूजी में पेपर लीक होने की घटना हुई है। नीट के अलावा पिछले दस सालों में लगभग सौ प्रतियोगी परीक्षाएं रद्द की गई हैं। विश्वगुरु होने का दावा करने वाले देश के लिये यह बेहद शर्मनाक घटना है। प्रतियोगी परीक्षा के पीछे केवल परीक्षार्थियों की मेहनत और महत्वाकांक्षा ही ध्वस्त नहीं होती, उनके परिवार के सपने भी टूटते हैं और सारा त्याग और सम्बल व्यर्थ हो जाता है। साथ ही देश के संसाधनों की बरबादी होती है और छात्रों का बहुमूल्य समय नष्ट होता है। उन्नत टेक्नोलॉजी के दौर में देश एक सुरक्षित और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली विकसित नहीं कर पाता तो यह सिस्टम की घोर असफलता है। समय और संसाधनों की बरबादी के अलावा ऐसी घटनाओं से देश की प्रतिष्ठा हानि भी होती है।

सवाल यह है कि ऐसा होता क्यों है? इसके पीछे कई फैक्टर हैं जैसे छात्रों और उससे ज्यादा उनके परिवारों की महत्वाकांक्षा, गलाकाट प्रतिस्पर्धा, कोचिंग संस्थानों का रैकेट और काला धन। दरअसल पढ़ाई या नौकरी से संबंधित कोई भी प्रतियोगी परीक्षा शिक्षा व्यवस्था के दलालों और कोचिंग रैकेट के सरगनाओं के लिए एक कमाई का मौका बन जाती है। पेपर लीक तो सिर्फ पहली सीढ़ी है, उसके बाद मूल्यांकन में गड़बड़ी, मेरिट लिस्ट में हेराफेरी, अलॉटमेंट में जुगाड़ वगैरह सब पर शिक्षा माफिया का कंट्रोल होता है। अगर कहीं चूक हो जाए तो शोर मच जाता है वरना ये सब घोटाला बदस्तूर चलता रहता है।

लेकिन सबसे बड़ा फैक्टर है; हमारी लचर न्याय प्रक्रिया! समाज के हर क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध वास्तव में कमजोर न्याय प्रक्रिया का साइड इफेक्ट है। मसलन बीसियों बार पेपर लीक हो चुके हैं अथवा नियुक्ति प्रक्रिया रद्द की गई है मगर हमारी सरकारें कुछ सीखती ही नहीं। लोगों को वर्ष 2013 में मध्यप्रदेश का बहुचर्चित और बदनाम व्यापम घोटाला जरूर याद होगा जिसमें अनेक अपात्रों को मेडीकल कॉलेजों में दाखिला और कई अन्य विभागों में नौकरी दिलाई गई थी। मगर यह किसी को याद नहीं होगा कि पुलिस की चार्ज शीट में लगभग 3000 लोगों के नाम होने के बाद बमुश्किल 100 लोगों को सजा हुई।

वह भी लम्बी ट्रायल, जमानत और अपील वगैरह के बाद। ऐसा अमूमन हर घोटाले के साथ होता है। पकड़े जाने पर मीडिया में शोरगुल, आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन, जाँच और फिर कानूनी प्रक्रिया का लम्बा दौर। कई बार तो आरोप पत्र ही सालों बाद कोर्ट में पेश होता है। इस लेट लतीफी का लाभ लेकर जमानत पर छूटे चतुर अपराधी सबूतों और गवाहों की भूल भुलैया में केस उलझा देते हैं। आखिर में कुछ लोगों को दण्डित कर मामला खत्म कर दिया जाता है। इस सारी प्रक्रिया में सिस्टम से जुड़े उच्चाधिकारी साफ बच निकलते हैं क्योंकि उनके अलिखित आदेशों का कोई रिकॉर्ड ही नहीं होता। ये तमाशा केवल पेपर लीक और परीक्षाओं के मैनेज करने तक नहीं बल्कि हर तरह के भ्रष्टाचार में दिखाई देता है। ईडी, इन्कम टैक्स, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, जीएसटी वगैरह किसी भी एजेंसी का मामला हो आखिर में अंजाम लगभग यही होता है। डकैती, रेप और हत्या जैसे संगीन अपराधों में भी न्याय प्रक्रिया की कमजोरी और लेट लतीफी आखिर अपराधियों को ही लाभ पहुंचाती है।जनता भी जब-तब उजागर होने वाले नए घोटालों की सनसनी में पुराने मामले भूलती जाती है। अपराधियों के हौसले इस कदर बुलन्द हैं कि आजकल जमानत पर छूटने का भी जश्न मनाया जाता है। जाहिर है कि जमानत पर छूट जाना ही अपराधी के लिए कामयाब हो जाना है क्योंकि मुकदमा तो सालों तक चलना निश्चित ही है। कई अपराधी जमानत पर छूटकर दोबारा भी अपराध कर गुजरते हैं।

अधिकांश घोटाले अथवा अपराध कुछ लोगों तक ही सीमित होते हैं लेकिन जब पेपर लीक या नियुक्ति रद्द होने जैसी घटनाएं होती हैं तो लाखों लोग प्रभावित होते हैं। नीट यूजी की परीक्षा लगभग 22 लाख छात्रों ने महीनों की कड़ी मेहनत झोंक दी होगी। वर्ष 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल में लगभग 25000 नियुक्तियों को निरस्त कर दिया था। हाल में ही मध्यप्रदेश में 13000 प्राथमिक शिक्षकों की चयन सूची पर रोक लगा दी गई है। परीक्षा एवं चयन में गड़बड़ी के ऐसे सैकड़ों उदाहरण हैं जब परीक्षार्थियों अथवा प्रतिस्पर्धियों की मेहनत व्यर्थ गई और उनके सपने टूट गए।स्पष्ट है कि अपराधियों, आला अफसरों और राजनेताओं की मिलीभगत के बिना ऐसा होना सम्भव ही नहीं।

खेदजनक तथ्य यह है कि राजनीति और अपराध के गठजोड़ के चलते कानून का डर धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। एक आम आदमी जरूर कानून से डरता है लेकिन अपराधी बेखौफ अपराध करते रहते हैं क्योंकि अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त है। रेत माफिया और जंगल माफिया के पुलिस और अधिकारियों पर हमले उनकी राजनेताओं से सांठ गांठ के उदाहरण हैं। यह समझना मुश्किल नहीं कि अपराधी और राजनेता अब एक दूसरे के हितसाधक हो गए हैं। इससे ज्यादा त्रासद और शर्मनाक क्या होगा कि आपराधिक मामलों में लिप्त सैकड़ों राजनेता विधायक और सांसद बने हुए हैं।

न्याय प्रक्रिया की लापरवाही और लेट लतीफी के चलते ऐसे राजनेता कानून के उस सिद्धान्त का सहारा लेते हैं कि; दोषी साबित होने तक आरोपी निर्दोष है। बहुतों को आखिरकार सजा होती भी है लेकिन तब तक वे कई महत्वपूर्ण पद सुशोभित कर चुके होते हैं। अपराधियों में कानून का भय खत्म हो जाना समाज के लिए खतरे की घंटी है और इसके परिणाम दिखाई भी देने लगे हैं। अगर समय रहते न्याय प्रक्रिया में व्यापक और वांछित सुधार नहीं किए गए तो यह अनदेखी समाज और देश के लिए बहुत घातक साबित होगी।

डॉ योगेन्द्र श्रीवास्तव

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त खबरें

भारत ने ओमान में भारतीय जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : ओमान के तट बुधवार को भारतीय झंडे वाले जहाज पर हुए हमले की भारत ने कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर रहा कि ऐसे हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा, ह्ल हमला अस्वीकार्य है और हम इस बात की निंदा करते हैं कि कमर्शियल जहाजों और आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जहाज पर सवार सभी भारतीय क्रू सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। भारत ने बचाव अभियान के लिए ओमान के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने, निर्दोष आम क्रू सदस्यों की जान जोखिम में डालने या किसी भी तरह से जहाजों के आने-जाने और व्यापार की आजादी में रुकावट डालने से बचा जाना चाहिए।

जमीन कब्जा और रंगदारी मामले में ईडी के सामने पेश हुए कोलकाता पुलिस के डीसीपी

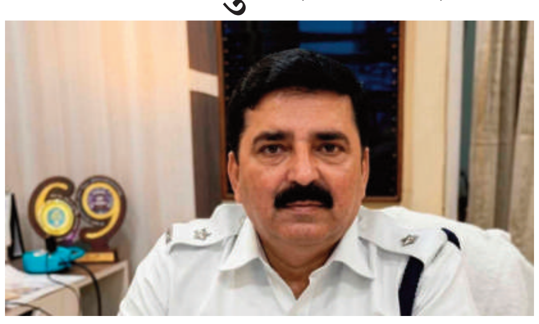

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल में कोलकाता पुलिस के उपायुक्त शांतनु सिन्हा बिस्वास गुरुवार को जमीन कब्जा और रंगदारी से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।शांतनु सिन्हा बिस्वास पहले कालीघाट थाने के प्रभारी रह चुके हैं और उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है। ईडी ने उन्हें इससे पहले भी कई बार तलब किया था, लेकिन वह पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए थे।बताया गया है कि हाल में जारी किए गए नए समन के बावजूद वह एजेंसी के सामने पेश होने से बच रहे थे। इसके बाद बुधवार को ईडी ने सुरक्षा निदेशालय को पत्र लिखकर उनके ठिकाने की जानकारी मांगी थी।ईडी अधिकारी के अनुसार, बिस्वास को 28 अप्रैल को भी पेश होने के लिए कहा गया था, जो पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से एक दिन पहले की तारीख थी, लेकिन वह उस दिन भी उपस्थित नहीं हुए।इसके बाद ईडी ने उनके देश छोड़कर जाने की आशंका को देखते हुए लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। यह सर्कुलर हवाई अड्डों और सीमा सुरक्षा बल की चौकियों तक भेजा गया था।सूत्रों के मुताबिक, गोलपार्क इलाके के कारोबारी ह्यसोना पप्पूह्ल से जुड़े जमीन कब्जा, रंगदारी और अन्य मामलों की जांच के दौरान शांतनु सिन्हा बिस्वास का नाम सामने आया था।

ईडी को बेहाला के कारोबारी जॉय कामदार की वित्तीय अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तारी के बाद भी बिस्वास के खिलाफ कुछ अतिरिक्त जानकारियां मिली हैं। एजेंसी लंबे समय से उनसे पूछताछ करने का प्रयास कर रही थी।

फाजिल्का बॉर्डर पर मिला पाकिस्तानी ड्रोन, हेरोइन तस्करी की आशंका

चंडीगढ़, (एजेंसी) :पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए नशा और हथियार तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियां लगातार कार्रवाई कर रही हैं, लेकिन सीमा पार से ड्रोन गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बुधवार देर रात फाजिल्का के भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र में एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया।पुलिस के अनुसार गांव चक्क बाजीदा के खेतों में ड्रोन गिरने की सूचना मिलने के बाद बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने तुरंत इलाके को सील कर संयुक्त सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान खेतों से एक ड्रोन बरामद किया गया। इस मामले में थाना सदर जलालाबाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस चौकी घुबाया के इंचार्ज गुरनाम सिंह ने बताया कि बीएसएफ से सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे इलाके की घेराबंदी की गई। उन्होंने बताया कि एक किसान के खेत में गेहूं के नाड़ के बीच ड्रोन पड़ा मिला, जिसे कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि यह ड्रोन सीमा पार से हेरोइन की खेप गिराने के बाद वापस लौट रहा था, लेकिन बैटरी खत्म होने या किसी तकनीकी खराबी के कारण खेतों में गिर गया। फिलहाल पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि ड्रोन किसके लिए भेजा गया था।

वीडी सतीसन होंगे केरल के नए मुख्यमंत्री, दिल्ली में कांग्रेस की आधिकारिक घोषणा

नई दिल्ली, (एजेंसी) : कांग्रेस ने गुरुवार को वीडी सतीशन को केरल का नया मुख्यमंत्री बनाए जाने की आधिकारिक घोषणा की।

दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, दीपा दासमुंशी, अजय माकन और राज्यसभा सांसद मुकुल वासनिक की मौजूदगी में केरल के नये मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की गई।इससे पहले 7 मई को तिरुवनंतपुरम में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर केरल के लिए नए नेता के चयन का अधिकार कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपा गया था। इसे लेकर चली लंबी चर्चा के बाद आखिरकार पार्टी की तरफ से केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के नेतृत्व के लिए वीडी सतीसन के नाम पर अंतिम निर्णय लिया गया है।

मप्र के देवास में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग, तीन की मौत, 25 मजदूर घायल

फैक्टरी को किया गया सील, मालिक हिरासत में

देवास, (एजेंसी) :मध्य प्रदेश के देवास जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर आगरा-मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम टोंककला के समीप स्थित एक पटाखा फैक्टरी में गुरुवार को जोरदार विस्फोट होने के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि 25 घायल हैं। घटना के बाद प्रशासन ने फैक्टरी को सील कर दिया है, जबकि पुलिस ने फैक्टरी मालिक अनिल मालवीय को हिरासत में ले लिया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने हादसे पर दुख जताया और घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ग्राम टोंककला स्थित पटाखा फैक्टरी में गुरुवार सुबह करीब 10.30 बजे दो केमिकल मिलाकर बारूद बनाया जा रहा था। इसी दौरान केमिकल की मात्रा सही नहीं मिलने से विस्फोट हो गया। इसके बाद फैक्टरी में भीषण आग लग गई। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे अंदर मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंच गए और घायलों को तत्काल एंबुलेंस और अन्य वाहनों से जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

जिला प्रशासन ने हादसे में तीन श्रमिकों की मौत की पुष्टि की है। मृतकों के नाम धीरज, सनी और सुमित बताए गए हैं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से झुलसे मजदूरों को इंदौर के टी. चोइथराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं तीन घायलों का उपचार एमवाय अस्पताल में चल रहा है, जबकि कुछ मरीजों को अरविंदो अस्पताल रेफर किया गया है। इसके अलावा लगभग नौ घायल देवास के अमलतास अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में पांच की स्थिति नाजुक बताई जा रही है।

हादसे के बाद फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य और केमिकल के सैंपल एकत्र किए, जिनकी जांच की जा रही है। मामले की जांच के लिए विशेषज्ञ डॉ. रश्मि भी मौके पर पहुंचीं। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर तकनीकी पहलुओं की जानकारी जुटाई। फिलहाल पूरे मामले की वैज्ञानिक तरीके से जांच जारी है। घटना के बाद प्रशासन ने पटाखा फैक्टरी को सील कर दिया है। मौके पर पुलिस फोर्स और जांच टीम तैनात है।

देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने बताया कि यह फैक्टरी अनिल मालवीय नाम के व्यक्ति की है। यहां करीब 15 दिन पहले ही छोटे पटाखे बनाने का काम शुरू किया गया था और फैक्टरी के नाम लाइसेंस भी जारी किया गया था। उन्होंने बताया कि फैक्टरी में हुए हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है।

संभागायुक्त आशीष सिंह भी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने देवास और इंदौर के अस्पतालों में पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और उचित उपचार के निर्देश दिए।

जांच के आदेश और आर्थिक सहायता की घोषणा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हादसे पर दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि विस्फोट में कई लोगों के हताहत होने का समाचार हृदय विदारक है। उन्होंने बताया कि जिले के प्रभारी एवं उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, गृह सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। घटना की जांच के आदेश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को राज्य शासन की ओर से 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने एवं घायलों का निःशुल्क इलाज करने के लिये निर्देश दिये हैं।

उन्होंने दुर्घटना में घायलों को त्वरित स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही बाबा महाकाल से दिवंगतों की आत्मा को शांति प्रदान करने और शोकाकुल परिजन को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

पाक्सो एक्ट के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, चोलापुर पुलिस को मिली सफलता

वाराणसी(एजेंसी) : कमिश्नरेट वाराणसी के थाना चोलापुर पुलिस ने पाक्सो एक्ट से जुड़े एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार मु0अ0सं0 179/2026, धारा 64(2), 65(1), 352, 351(3) बीएनएस एवं धारा 5 जे (), 1/6 पाक्सो एक्ट थाना चोलापुर में दर्ज मामले के अभियुक्त राकेश पुत्र छोटे लाल निवासी गोपपुर थाना चोलापुर जनपद वाराणसी, उम्र करीब 23 वर्ष को गुरुवार को सुबह करीब 11 बजे गोसाईपुर मोहांव पेट्रोल पंप से लगभग 100 मीटर पहले पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के मुताबिक पीड़िता की मां द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि अभियुक्त ने 14 वर्षीय नाबालिग लड़की को डरा-धमकाकर अवैध संबंध बनाने का प्रयास किया तथा फोन पर गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी थी। इस संबंध में 10 मई 2026 को थाना चोलापुर में मुकदमा पंजीकृत किया गया था।

पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। मामले की विवेचना प्रभारी निरीक्षक सधुवन राम गौतम द्वारा की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सधुवन राम गौतम, उपनिरीक्षक अवनीश कुमार मिश्रा चौकी प्रभारी चंदापुर, कांस्टेबल आदित्य कुमार एवं हेड कांस्टेबल मोहम्मद शकील अहमद शामिल रहे।

एआई जनरेटेड आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने वाला आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी(एजेंसी) : चेतगंज पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं भड़काऊ एआई जनरेटेड वीडियो अपलोड करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी ओमप्रकाश सिंह बेरिहा, ग्राम नाथुपुर, पोस्ट भुल्लनपुर, थाना मंडुवाडीह का निवासी है। उसे चौकाघाट फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ राष्ट्रवादी हिंदू शक्ति वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की तहरीर पर चेतगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था।पुलिस ने बताया कि आरोपी द्वारा सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक एवं भड़काऊ एआई जनरेटेड वीडियो प्रसारित किया गया था। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) एवं 353(2) के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया।

पहली बार विधायक बने रथींद्र बोस होंगे बंगाल विधानसभा अध्यक्ष पद के उम्मीदवार

कोलकाता, (एजेंसी) : पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को चौंकाने वाला फैसला लेते हुए पहली बार विधायक बने रथींद्र बोस को उम्मीदवार घोषित किया है। मुख्यमंत्री एवं सदन के नेता शुभेंदु अधिकारी ने स्वयं उनके नाम की घोषणा की।

पहले माना जा रहा था कि विधानसभा के सबसे वरिष्ठ भाजपा विधायक और वर्तमान प्रोटेम स्पीकर तापस राय को स्थायी अध्यक्ष बनाया जा सकता है, लेकिन पार्टी ने सभी अटकलों को दरकिनार करते हुए कूचबिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र से विधायक रथींद्र बोस पर भरोसा जताया।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर जारी संदेश में कहा कि कूचबिहार दक्षिण से भाजपा विधायक रथींद्र बोस को 18वीं पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष पद के लिए पार्टी उम्मीदवार नामित किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी दल उनके नाम का समर्थन करेंगे और वह सर्वसम्मति से निर्वाचित होंगे।

यदि तृणमूल कांग्रेस सहित कोई विपक्षी दल अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार नहीं उतारते है, तो रथींद्र बोस सर्वसम्मति से निर्वाचित होने वाले उत्तर बंगाल के पहले विधानसभा अध्यक्ष बन जाएंगे।

रथींद्र बोस ने इस विधानसभा चुनाव में कूचबिहार दक्षिण सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार अविजीत डे भौमिक को 23 हजार से अधिक मतों के अंतर से हराया था।अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार बनाए जाने के बाद रथींद्र बोस ने कहा कि वह पार्टी के एक अनुशासित और विश्वसनीय कार्यकर्ता के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली तृणमूल सरकार के दौरान विधानसभा में विपक्ष को बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिलता था, लेकिन भाजपा लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास करती है।

संत अतुलानंद आवासीय अकादमी के विद्यार्थियों ने लहराया सफलता का परचम

इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में शानदार प्रदर्शन, विद्यालय परिवार में खुशी की लहर।

वाराणसी (एजेंसी) :संत अतुलानंद आवासीय अकादमी के इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम 2026 में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। छात्र-छात्राओं ने शानदार अंक प्राप्त कर सफलता का नया आयाम स्थापित किया।

विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों में राम तिवारी ने 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। पूजा प्रजापति ने 97.4 प्रतिशत, दिया सिंह ने 94.6 प्रतिशत, रूपेश राज एवं कृष्णा श्रीवास्तव ने 92.8 प्रतिशत, सोना सिंह ने 92.6 प्रतिशत, अंशिका पांडेय ने 92.4 प्रतिशत, राहुल कुशवाहा ने 92.2 प्रतिशत, स्नेहा यादव ने 91.4 प्रतिशत, श्रेया सिंह एवं अवंतिका मिश्रा ने 91.2 प्रतिशत, मोहम्मद अरसलान ने 90.6 प्रतिशत तथा अदिति यादव एवं करण सिंह ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने अभिभावकों का मान बढ़ाया।

विद्यालय की निदेशिका डॉ. दिव्या सिंह ने सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं शिक्षकों के समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विद्यालय के उपनिदेशक आदित्य राज सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक ऊँचाइयाँ प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अविनाश पांडेय ने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की लगन एवं निरंतर अभ्यास का प्रतिफल है। उन्होंने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए आगे भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी पत्रकार बंधुओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि समाचारों के माध्यम से विद्यार्थियों की उपलब्धियों को समाज तक पहुँचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

मप्र: 120 गाड़ियों का काफिला लेकर निकले सज्जन सिंह पर गिरी गाज, भाजपा ने जिलाध्यक्ष पद से हटाया

भोपाल, (एजेंसी) :प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ईंधन खपत कम करने की अपील की अवहेलना पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी ने अनुशासनहीनता पर भाजपा किसान मोर्चा भिंड जिला के अध्यक्ष सज्जन सिंह यादव को उनके पद से हटा दिया है।दरअसल, मध्य प्रदेश के भिंड में भाजपा किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सज्जन सिंह यादव को 120 गाड़ियों के काफिले के साथ शक्ति प्रदर्शन करना भारी पड़ा है। पार्टी ने इसे अनुशासनहीनता और प्रधानमंत्री के संदेश की अवहेलना मानते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हें पद से हटा दिया।

सज्जन सिंह बुधवार को समर्थकों के साथ ग्वालियर से भिंड तक करीब 120 गाड़ियों के लंबे काफिले में पहुंचे थे। शहर में जगह-जगह समर्थकों ने उनका स्वागत किया। कई स्थानों पर फूल-मालाओं और नारों के बीच यह कार्यक्रम शक्ति प्रदर्शन में बदल गया।

सज्जन सिंह यादव भिंड जिले के मौ क्षेत्र के सक्रिय भाजपा नेता माने जाते हैं। वे पहले मौ मंडी अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उनकी पत्नी वंदना यादव वर्तमान में मौ नगर परिषद की अध्यक्ष हैं। संगठन में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद समर्थकों ने बड़े स्तर पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया था, लेकिन यही प्रदर्शन अब उनके खिलाफ कार्रवाई का कारण बन गया। काफिले के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं। इसके बाद विपक्षी दलों ने भाजपा पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। मामला प्रदेश संगठन तक पहुंचा और गुरुवार को कार्रवाई के आदेश जारी कर दिए गए।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा द्वारा जारी पत्र में स्पष्ट कहा गया कि 13 मई को ग्वालियर से भिंड तक निकाली गई रैली प्रधानमंत्री मोदी की ऊर्जा बचत संबंधी अपील के विपरीत थी। इसे संगठनात्मक अनुशासन के खिलाफ माना गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर सज्जन सिंह यादव की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई। संगठन ने यह भी स्पष्ट संकेत दिया कि पार्टी में किसी भी पदाधिकारी को व्यक्तिगत शक्ति प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी, चाहे वह किसी भी स्तर का नेता क्यों न हो। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा ने यह कार्रवाई पूरे संगठन को संदेश देने के उद्देश्य से की है।

पार्टी यह दिखाना चाहती है कि प्रधानमंत्री के संदेशों की अनदेखी अब सीधे अनुशासनात्मक कार्रवाई का कारण बन सकती है।

15-05-2026 T.P. Page 8_Layout 1 15-05-2026 07:52 Page 1

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी
वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फ्रैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं।
फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन
कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदार्थों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है ापोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रही है।

कराटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

कराटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं कराटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। कराटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

कराटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। कराटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक कराटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

कराटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। करटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफैंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। कराटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल कराटे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में कराटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) कराटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। करटे खेल भी, कला भी करटे निहत्थे लडने की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को करटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। करटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार
कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुंपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।
पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007